Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 151
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-मंगलवार,30 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के पीछे निजीकरण की योजना

4 चीन की रेयर अर्थ मोनोपॉली को उसके दोस्त पाक ने ही

5 'बालिका वधू' की लाडो के मेहंदी रचाने अमेरिकी

भाजपा सत्ता नहीं, सेवा के लिए सरकार में

विकास और विरासत मंत्र से बढ़ेंगे आगेःपीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नवरात्र के इन पावन दिनों में आज दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। ये नए सपनों और नए संकल्पों से भरा पल है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना को 45 वर्ष हो चुके हैं। अटल जी, आडवाणी जी, नाना जी देशमुख, राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी, मुरली मनोहर जोशी जी... ऐसे अनेक व्यक्तित्वों के आशीर्वाद और परिश्रम से ये पार्टी आगे बढ़ी है। नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि लेकिन जिस बीज से भाजपा आज इतना बड़ा वटवृक्ष बना है, उसका रोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था। तब डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी। और उसी दौर में दिल्ली जनसंघ को भी वैद्य गुरुदत्त जी के रूप में अपना पहला अध्यक्ष मिला। 1980 में जब भाजपा की स्थापना हुई तो वीके मल्होत्रा जी को दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। आज दिल्ली भाजपा जिस मजबूती में है, वो बीते दशकों में हमारे लाखों कार्यकताओं के त्याग और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ साहनी जी, साहिब सिंह वर्मा जी, मदनलाल खुराना जी...ऐसे अनेक दिग्गज नेताओं ने हमें सेवा की अमिट राह दिखाई। अरुण जेटली जी और सुषमा स्वराज जी जैसे कितने ही व्यक्तित्वों ने पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मोदी ने कहा कि दिल्ली और बीजेपी का संबंध सिर्फ एक शहर और पार्टी का नहीं है। ये संबंध सेवा, संस्कार और सुख-दुख की साथी होने का है। पहले जनसंघ के रूप में और फिर भाजपा के रूप में... हमारी पार्टी दिल्ली के दिल से, दिल्ली के हितों से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के अंतराल के बाद, अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है। दिल्ली की जनता ने अपने बेहतर भविष्य के सपने और उम्मीदें भाजपा में लगाई हैं। इसलिए, नए प्रदेश कार्यालय में बैठे हर जनप्रतिनिधि की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। दिल्ली भाजपा, हमारी सरकार, दिल्ली की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए जी-जान से जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए नए घर बनाना, दिल्ली के सैकड़ों सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को बेहतर बनाना, दिल्ली में सैकड़ों इलेक्ट्रिक बसें चलाना, यमुना नदी की सफाई के लिए दिन-रात काम करना, यमुना नदी के किनारे और शहर के अन्य हिस्सों में आलीशान रहने की जगहें बनाना... जब दिल्ली भाजपा सरकार और दिल्ली भाजपा कार्यालय इसी तरह कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे, तो हम एक विकसित भारत और एक विकसित दिल्ली के सपने को और तेजी से पूरा कर पाएँगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकारों ने देश को सुशासन का एक नया मॉडल दिया है। हम विकास और विरासत के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने देश और देशवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमने देश को बड़े-बड़े घोटालों से मुक्त कराया है... हमारी सरकारों का ध्यान डिलीवरी पर है, और आम आदमी की बचत बढ़ाने पर भी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए कोई भी भाजपा कार्यालय किसी देवालय से, किसी मंदिर से कम नहीं है। कोई भी भाजपा कार्यालय सिर्फ इमारतें नहीं है, ये मजबूत कड़ियां हैं, जो पार्टी को जमीन से, जन-अपेक्षाओं से जोड़े रखती है।

सीएम धामी ने की सीबीआई जांच की संस्तुति, छात्रों पर दर्ज मुकदमे होंगे वापस

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के स्नातक स्तरीय परीक्षा के पेपर लीक मामले में युवाओं का धरना जारी है। वहीं, आज सीएम पुष्कर सिंह धामी आज युवाओं के बीच पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सीबीआई जांच की संस्तुति की। पेपर लीक मामले की जांच पड़ताल करने नई टिहरी पहुंची एसआईटी टीम, बयान दर्ज करने दो युवक पहुंचे बता दें कि इससे पहले जिलाधिकारी सविन बंसल और एसएसपी अजय सिंह ने युवाओं से बात की थी। इसके बाद आला अधिकारी भी युवाओं से बात करने पहुंचे थे। लेकिन युवा सीबीआई जांच की मांग पर अड़े थे। आठवें दिन आखिरकार सीएम धामी मौके पर पहुंचे और परीक्षा मामले में चल रही हर कार्रवाई के बारे में युवाओं को बताया है। वहीं, सीएम ने युवाओं की मांग पर हामी भरी। मुख्यमंत्री ने धरना दे रहे युवाओं को सीबीआई जांच के लिए लिखकर संस्तुति दी है। उन्होंने युवाओं से कहा कि परीक्षा देने वाले छात्रों पर जो भी मुकदमे हैं वो वापस लिए जाएंगे। इसके लिए उन्हें नाम की लिस्ट दे दी जाए। सिस्टेंट प्रोफेसर सुमन और सेक्टर मजिस्ट्रेट समेत चार हो चुके निलंबित इस मामले में सरकार पहले ही सेक्टर मजिस्ट्रेट केएन तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन समेत दरोगा व सिपाही को निलंबित कर चुकी है। निलंबित अधिकारी-कर्मचारियों पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन की पेपर सॉल्वर के रूप में भूमिका पाई गई थी।

रौनक खत्री को जान से मारने की मिली धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी के बाद अब दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रौनक खत्री को भी जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनको व्हाट्सएप पर मिली है। धमकी भेजने वाले ने पांच करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की है और ये मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने के लिए भी कहा है। जानकारी के मुताबिक, धमकी में कथित रूप से गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम लिया गया है और ये मैसेज एक विदेशी नंबर से भेजा गया है। रौनक खत्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि एक अज्ञात नंबर से मुझे कई बार कॉल भी किए गए और व्हाट्सएप पर 5 करोड़ रुपये की मांग की गई।

पंजाब विधानसभा में केंद्र सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा में बाढ़ राहत के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। सदन में कहा गया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की बार-बार बैठक बुलाने की अपील का जवाब न देना राज्य का अपमान है। साथ ही, केंद्र की ओर से घोषित किए गए 1600 करोड़ रुपए के टोकन राहत पैकेज पर गहरी निराशा व्यक्त की गई। विधानसभा ने केंद्र से तुरंत पर्याप्त वित्तीय पैकेज देने की मांग की। सबसे पहले बीज (पंजाब संशोधन) बिल-2025 को कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने सदन में पेश किया, जिसे बहुमत से पास कर दिया गया। इसके बाद पंजाब राइट टू बिजनेस (संशोधन) बिल-2025 को कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में पंजाब गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (संशोधन) बिल-2025 रखा, जिसे पारित कर दिया गया। वहीं, मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रुलेशन (संशोधन) बिल-2025 पेश किया, जिसे भी सर्वसम्मति से पास किया गया। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पंजाब सहकारी सभाएं (संशोधन) बिल-2025 और कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह द्वारा पंजाब टाउन इम्प्रूवमेंट (संशोधन) बिल-2025 भी सदन में पेश किए गए। इन दोनों विधेयकों को भी सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

सीएम ने कैंसर पीड़ित को भर्ती कराया, जनता दर्शन में आई बुजुर्ग महिला की सुनी फरियाद

लखनऊ (संवाददाता)। सीएम योगी ने सोमवार को जनता दर्शन

किए। कार्यक्रम में आई एक बुजुर्ग महिला की फरियाद सुनकर उसके कैंसर पीड़ित बेटे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। सीएम ने कहा- आपके बेटे का हरसंभव इलाज होगा। उन्होंने जनता दर्शन के दौरान ही एम्बुलेंस बुलाकर उनके बेटे को कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाया दिया। बुजुर्ग अपने परिवार के साथ कानपुर के किदवईनगर से आई थी। उन्होंने सीएम योगी से कहा हम गरीब हैं, इलाज नहीं करा पा रहे। हमारे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। हमारे जवान बेटे को कैंसर हो गया है। मेरे बेटे को जिंदगी दे दीजिए। इलाज के लिए कुछ आर्थिक सहायता दिला दीजिए। सीएम ने महिला से फरियाद सुनते ही अधिकारियों को एक्शन के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के श्जनता दर्शनश् में 50 से ज्यादा फरियादी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनका प्रार्थना पत्र लिया और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दिया। योगी ने कहा कि इलाज के लिए किसी भी पीड़ित ने स्वयं, जनप्रतिनिधि या किसी भी माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, उसे सहायता उपलब्ध कराई गई है। हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। इलाज के लिए सरकार आगे भी आर्थिक सहायता निरंतर रूप से उपलब्ध कराती रहेगी।

सीएम मोहन का स्कूली बच्चों को मेगा गिफ्ट, 6 लाख 45 हजार बच्चों के खाते में ट्रांसफर की 489 करोड़ रुपये की राशि

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 29 सितंबर को हरदा जिले के खिरकिया में स्कूली बच्चों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत 20 हजार 652 अशासकीय विद्यालयों को 489 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर की। इस राशि से साल 2023-24 में पढ़ने वाले 8 लाख 45 हजार बच्चों की फीस स्कूलों में जमा होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास कार्यों का भूमि-पूजन, लोकार्पण और हितग्राहियों को राशि प्रदान की। इस मौके पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन खास है। हरदा के टिमरनी में स्कूल की लैब के लिए 1 करोड़ 30 लाख की लागत से चार क्लासरूम बनाए जाएंगे। 4 करोड़ की लागत से आदिवासी हॉस्टल बनाया जाएगा। बिजली का सब स्टेशन साढ़े

पांच करोड़ की लागत से स्थापित किया जाएगा। खिरकिया में नया जनपद भवन बनाया जाएगा। इस इलाके में 3 करोड़ की लागत से नया अस्पताल भी बनाया जाएगा। इस मौके पर सीएम डॉ. यादव ने बच्चों को भगवान राम और श्रीकृष्ण-सुदामा की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि दोस्ती में हमें ऐसा काम नहीं करना चाहिए कि हमारे सामने उसकी निगाहें नीची हो जाएं। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन सौभाग्य का दिन है। आज 20 हजार स्कूलों के करीब साढ़े आठ लाख बच्चों को लाभ मिलने जा रहा है। बदलते समय के साथ स्कूलों के भवन देखकर आनंद का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्राइवेट हो है क्या हुआ, बच्चों की आर्थिक स्थिति कम-ज्यादा है तो क्या हुआ, हमारी सरकार हर चौथे बच्चे को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने की फीस दे रही है। हमारे बच्चे पढ़ेंगे-लिखेंगे, तभी तो देश आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रही है। हमें इस बात की प्रसन्नता है कि देश के साथ-साथ हमारा प्रदेश भी प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश की पहचान अब सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्य की हो गई है। भविष्य में सरकार बच्चों को किताबें भी देगी। इसका हम संकल्प ले रहे हैं। बच्चों के हक का एक-एक रुपया उनके हाथ में आना चाहिए। सबसे पहले माता-पिता, फिर गुरु बच्चों का जीवन बदलते हैं।

अब वीसी के सहारे बिहार चुनाव जीतना चाह रहे हैं:जयराम रमेश

जयराम रमेश का एनडीए पर तीखा वार

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर सोमवार को तीखा हमला बोला है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश साझा करते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव श्री रमेश ने लिखा है कि, शिशक्षा में वीसी का मतलब होता है

वाईस चांसलर, स्टार्ट- अप की दुनिया में इसका मतलब होता है वेंचर कैपिटल, सेना में वीसी का अर्थ होता है वीर चक्र, लेकिन अब हमारी राजनीति में एक नया वीसी आया गया है- वोट चोरी और इसके सूत्रधार ने बिहार में इसके लक्ष्य का पहले ही खुलासा कर दिया है। उन्होंने आगे कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा कि राजग बिहार में 243 में से 160 से अधिक सीटें जीतेगा, इस वोट चोरी योजना का संकेत है। श्री रमेश ने आरोप लगाया है कि राजग वीसी (वोट चोरी) और वीआर (वोट रेवड़ी) के मेल से चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता रमेश ने विश्वास जताया है कि बिहार की राजनीतिक रूप से सजग जनता इन चालों को नाकाम कर देगी। उन्होंने कहा है कि राज्य में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित है और इसका पहला झटका दिल्ली में महसूस किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि अमित शाह की ओर से हाल ही में की गई 160 से अधिक सीटों की भविष्यवाणी को विपक्ष सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का संकेत बता रहा है।

गोडसे की विचारधारा के लोगों से मिल रही है राहुल गांधी को धमकी : पवन खेड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए कहा है कि चरमपंथी विचारधारा कमजोर पड़ रही है इसलिए इस सोच के लोग अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धमकी दे रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां एक वीडियो संदेश में कहा, जब भी आरएसएस देश की सशक्त विचारधारा को हराने में विफल होती है तो उसके कार्यकर्ता शारीरिक हिंसा का सहारा लेना शुरू करते हैं। इसी विचारधारा का एक

चरमपंथी नाथूराम गोडसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या कर देता है। अब, जब भाजपा वैचारिक लड़ाई हार रही है, तो उसके प्रवक्ता और नेता राहुल गांधी को मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री गांधी देश के लाखों विचारधारा के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और साजिश के तहत उन लाखों गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और कमजोर वर्गों की आवाज दबाने की कोशिश चल रही है। देश के लाखों लोगों की आवाज को दबाने की साजिश हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी भारत ने इस विचारधारा को हराया है तो आरएसएस हिंसा पर उतर आता है।

दिग्विजय सिंह

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के हालिया बयानों को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय केवल आग में घी डालने का काम करते हैं और उनका यह रवैया राजनीतिक माहौल को और गरमाता है। मामला लव जिहाद और शीतला माता बाजार में विशेष वर्ग के कर्मचारियों को हटाने से जुड़ा है, जिन पर दिग्विजय के बयान विवादित माने जा रहे हैं। विजयवर्गीय ने चेतावनी दी कि किसी भी बड़े समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना सही नहीं है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि दिग्विजय सिंह केवल आग में घी डालने का काम करते हैं और उनके चरित्र में यही विशेषता है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी बड़े समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना बिल्कुल भी सही नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह इंदौर में एक दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से लव जिहाद और शीतला माता बाजार में विशेष वर्ग के कर्मचारियों को हटाने जैसे विवादित मुद्दों पर बातचीत की।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में रंगोली से सड़क पर आई लव मोहम्मद लिखने से तनाव, पथराव, पुलिस का लाठीचार्ज

अहिल्यानगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सोमवार को सड़क पर रंगोली से आई लव मोहम्मद लिखने को लेकर बवाल हो गया। मुस्लिम समुदाय ने प्रदर्शन करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजीनगर हाईवे जाम कर दिया। पुलिस जाम खुलवाने पहुंची तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को सड़क से हटाया। फिलहाल इलाके में पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने रंगोली बनाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। अहिल्यानगर के पास कोटला गांव में सोमवार सुबह सड़क पर रंगोली से आई लव मोहम्मद लिख दिया गया। इस सड़क

पर हिंदूवादी संगठन हिंदुस्तान शिव प्रतिष्ठान ने दुर्गा माता दौड़ का आयोजन रखा था। सुबह करीब 7 बजे जानकारी मिलते ही शहर के मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजी नगर हाईवे जाम कर दिया। इससे गांव के दोनों ओर सैकड़ों वाहन जमा हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खत्म कराने लगी तो भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को हटा दिया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अहिल्यानगर की घटना पर कहा ऐसा लगता है की ये साजिश है।

जहां भी भाजपा की सरकार, उन राज्यों का बुरा हाल, सड़कों पर उतरने को मजबूर नौजवान: राज बब्बर

रेवाड़ी (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व लोकसभा सदस्य राज बब्बर ने भाजपा की नीतियों को नौजवानों की उम्मीदें खत्म करने वाला बताया हैं। वह हरियाणा के रेवाड़ी पहुंचे थे। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा पर उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अंतिम पड़ाव पर है और इसकी घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी। राज बब्बर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से नौजवानों की सारी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। जहां इनकी सरकार है, वहां युवा सड़कों पर हैं। ये लोग जो भी वादे करते हैं, उसे पूरा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा की सरकार है, उन

राज्यों में नौजवानों का बुरा हाल है और वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। सरकार इन लोगों को सुन नहीं रही है, जिसकी वजह से युवाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। वोट चोरी पर बब्बर ने कहा कि आप लोगों ने भी देखा है कि कई जगहों पर वोट चोरी के सबूत भी मिले हैं। सबूत देखने के बाद कोई भी वोट चोरी की बात को नकार नहीं सकता है। वोट चोरी कई तरीकों से की जा रही है। कांग्रेस पार्टी में चल रही गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर राज बब्बर ने कहा कि लोकतंत्र में गुटबाजी पार्टियों को मजबूत करती है। उन्होंने याद दिलाया कि जब से कांग्रेस पार्टी बनी है, तब से ही गुट हैं। पहले इन्हें नरम दल और गरम दल के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कहा कि यह गुटबाजी कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय नेतृत्व और उनके फैसलों की बात आती है तो कोई गुटबाजी नहीं होती। इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह चौटाला के बयान पर राज बब्बर ने कहा कि हर पार्टी के हर नेता को बोलने का अधिकार है, लेकिन यह जनता तय करेगी कौन सत्ता में और कौन बाहर रहेगा। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

विजयवर्गीय बोले, आग में घी डालने का काम करते हैं दिग्विजय सिंह

3 अमृत भारत एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेन सहित बिहार के लिए 7 नई ट्रेन

गोरखपुर, : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को एक नया आयाम प्रदान करेंगी और यात्रियों को बेहतर यात्रा सेवाएं प्रदान करेंगी। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं चालू हो गई हैं। मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है, जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है। ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा कि बिहार में विकास की गति ऐसी है कि निकट भविष्य में यह राज्य एक स्वर्णिम राज्य के रूप में उभरेगा। ये ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी का एक नया स्तर प्रदान करेंगी, यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएंगी और राज्य के समग्र विकास को गति देंगी। श्री वै?णव ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से, उन्होंने राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए रेलवे को प्राथमिकता दी है। उन्?होंने कहा कि 2014 से पहले बिहार का वार्षिक रेल बजट केवल लगभग 1,000 करोड़ रुपये था, जबकि आज यह लगभग 10,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जिसके तहत बिहार में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का रेलवे नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है और 1,899 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। भारतीय रेल द्वारा विकसित, अमृत भारत एक्सप्रेस देश की रेल व्यवस्था में आधुनिकीकरण का प्रतीक बन गई है। यह ट्रेन यात्रा का न केवल एक तेज और किफायती विकल्प है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, अग्नि सूचक प्रणाली, सीलबंद गैंगवे और टॉक-बैक यूनिट जैसी उन्नत सुविधाएं भी हैं। पहली बार, गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह विकसित बिहार से विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरणः

1. दरभंगा-अजमेर (मदार) अमृत भारत एक्सप्रेस, 2. मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चर्लपल्ली) अमृत भारत एक्सप्रेस, 3. छपरा-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उप मुख्यमंत्री, बिहार श्री सम्राट चौधरी ने चार यात्री ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। जिसमें पटना-बक्सर पैसेंजर, झाझा‌झदानापुर पैसेंजर, नवादा-पटना पैसेंजर एवं पटना-इस्लामपुर पैसेंजर सम्मिलित है।

बिहार में पूरी हो चुकी कुछ प्रमुख रेलवे परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए श्री वै?णव ने कहा कि 28 किलोमीटर लंबा पटना रेल-सह-सड़क पुल, 15 किलोमीटर लंबा मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल और लंबे समय से प्रतीक्षित कोसी पुल का निर्माण पूरा हो चुका है।

2014 से पूर्णतः चालू महत्वपूर्ण परियोजनाएं -पटना रेल-सह-सड़क पुल, मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल, कोसी पुल, दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन, चांदन-बांका नई लाइन, रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन, महाराजगंज-मसरख नई लाइन, राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन, मानसी-सहरसा-पूर्णिया आमान परिवर्तन, जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन, कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन, सकरी-निर्मली एवं सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन, मानसी-सहरसा-सहरसा-पूर्णिया एवं बनमनखी-बिहारीगंज आमान परिवर्तन, साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण, महेशखुट-थानाबिहपुर दोहरीकरण, हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण, पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण, बख्तियारपुर-बाढ़ दोहरीकरण, किउल-गया दोहरीकरण, हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण एवं दरभंगा बाईपास सम्मिलित हैं।

2025 को गाड़ी सं0 12536 के कोच अटेन्डेन्ट द्वारा यात्री का छूटा ट्राली बैग रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं0 को सौपा गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मऊ को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15083 में 12 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, मऊ को सुपुर्द किया गया। 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 13 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 पर 17 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 16 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 6 पर 10 वर्ष का एक नाबालिग लड़का तथा 09 एवं 07 वर्ष की 02 नाबालिग लड़कियाँ लावारिस हालत में मिलीं। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के एवं दोनो लड़कियों को चाइल्ड लाइन, लखनऊ को सुपुर्द किया गया। 28 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट व अपराध आसूचना शाखा, बनारस के संयुक्त निगरानी में बनारस वाशिंग पिट के पश्चिम साइड से रेल सम्पत्ति चोरी के मामले में 03 शातिर अपराधियों को रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। 28 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग द्वारा निगरानी में दौरान ऐशबाग सिगनल स्टोर रोड पर रेल सम्पत्ति चोरी के मामले में एक शातिर अपराधी को रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। 27 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखीमपुर द्वारा निगरानी में दौरान फरधान स्टेशन यार्ड से रेल सम्पत्ति चोरी के मामले में 07 शातिर अपराधियों को रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। 26 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 पर यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे सीवान पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 27 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12554 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे ऐशबाग पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 27 सितम्बर, 2025 को गाड़ी सं0 12536 के कोच अटेन्डेन्ट द्वारा यात्री का छूटा ट्राली बैग रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं0 को सौपा गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

संदिग्ध ड्रोन दिखने से हड़कंप, पुलिस पहुंची

बस्ती। रविवार को शहर के तुरकहिया मोहल्ले में दिन के वक्त एक संदिग्ध ड्रोन उड़ता दिखाई देने से लोगों में खलबली मच गई। कुछ लोगों ने बताया कि ड्रोन एक घर के हाते में पोर्च के नीचे भी नजर आया। इससे पहले शनिवार रात करीब 11 बजे भी इसी तरह की वस्तु देखी गई थी। सूचना पर सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी और कोतवाल दिनेश चंद्र चौधरी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रोन कहां से, कितनी दूरी से और कौन ऑपरेट कर रहा था। अधिकारियों ने कहा कि किसी शरारती या आपराधिक नियत की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता, इसलिए जांच गंभीरता से चल रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओमान में फंसे नंदलाल समेत 35 भारतीय कामगार स्वदेश लौटे

बस्ती। ओमान की फैशन डिजाइनिंग कंपनी में फंसे कलवारी थाना क्षेत्र के महुआपार कला निवासी नंदलाल समेत सभी 35 भारतीय कामगारों की सकुशल स्वदेश वापसी हो गई है। नंदलाल ने बताया कि विदेश राज्य मंत्री की पहल पर इन 11 लोगों सहित कुल 35 भारतीय कामगार स्वदेश लौट आए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह दशहरा के बाद इन कामगारों से मिलकर उनकी पीड़ा सुनेंगे। बस्ती के छह लोगों समेत कुल 11 कामगारों के परिजनों ने विदेश राज्य मंत्री से मदद की गुहार लगाई थी। विदेश राज्य मंत्री की पहल पर ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने फंसे हुए कामगारों की तलाश शुरू की। दूतावास की देखरेख में सभी 35 भारतीय कामगारों को कंपनी से सुरक्षित निकालकर गुरुद्वारे में रखा गया, जहां से कंपनी द्वारा उनके पासपोर्ट लौटाए जाने के बाद उन्हें स्वदेश भेजा गया। नंदलाल ने बताया कि उन्हें और उनके रिश्तेदार अमरजीत निषाद को जून 2022 में दो वर्ष के लिए दुबई भेजने का वादा किया गया था। शुरू में सब ठीक था, लेकिन जून 2024 के बाद कंपनी ने मजदूरी देने में हीलाहवाली शुरू कर दी। छुट्टी और पासपोर्ट मांगने पर कंपनी ने रोक लिया और एक वर्ष तक काम लेने के बावजूद भुगतान नहीं किया।

लखनऊ मंडल पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता संदेश देते हुए रेलवे कलाकार

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छोत्सव थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तेरहवें दिन 29 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। रेल अधिकारियों द्वारा रेलवे कालोनियों में स्वच्छता कार्य किया गया तथा खानपान इकाईयों में स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। 29 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर बेस किचन, रेस्तरां, पेंट्रीकारों आदि की सफाई की गई। पेंट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बे के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया तथा रेल परिसरों में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता कार्य किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्वच्छता संदेश प्रसारित किया गया। वाराणसी मंडल पर प्रमुख स्टेशनों-वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बलिया, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग, आजमगढ़ स्टेशनों पर ह्ययूथ कनेक्ट इवेंटह्य का आयोजन कर स्टेशनों पर एवं ट्रेनों में स्वच्छता कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त रेल अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा रेल परिसर एवं रेलवे कालोनियों में सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल पर प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता के उपरान्त यात्रियों को स्वच्छता का संदेश देने के लिए रंगोली बनाई गई। खाद्य स्वच्छता हेतु खानपान इकाइयों एवं पेंट्रीकारों की सफाई की गई। भोजन की तैयारी और वेंडिंग प्वाइंट पर स्वच्छता सुनिश्चित की गई तथा रनिंग रूम एव कैंटिंग को स्वच्छ किया गया।

ग्रीन पार्क को मिली तीन रणजी मैचों की मेजबानी

कानपुर। भारत-ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज की मेजबानी के बाद ग्रीन पार्क स्टेडियम अब रणजी ट्रॉफी का केंद्र बनेगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट टीम इस सीजन अपने तीन घरेलू मुकाबले इसी ऐतिहासिक मैदान पर खेलेगी। देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी की शुरूआत 15 अक्टूबर से हो रही है। इसी दिन यूपी टीम अपने अभियान का आगाज आंध्र प्रदेश के खिलाफ ग्रीन पार्क पर करेगी। इसके बाद 25 अक्टूबर को उड़ीसा और 8 नवम्बर को नागालैंड की टीम से यहीं भिड़ेगी। पिछले सीजन में नॉक आउट चरण से पहले बाहर हुई यूपी टीम इस बार नए कोच के साथ उतरेगी। पूर्व भारतीय स्पिनर सुनील जोशी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यूपीसीए ने टीम को नई दिशा देने की तैयारी कर ली है। अधिकारियों का मानना है कि घरेलू मैच ग्रीन पार्क पर होने से खिलाड़ियों को परिचित माहौल का फायदा मिलेगा, क्योंकि यही टीम का नियमित अभ्यास स्थल भी है। यूपी ने वर्ष 2006 में रणजी ट्रॉफी जीती थी। यूपीसीए टूनामेंट डायरेक्टर डा. संजय कपूर ने लगातार तीन मैचों की मेजबानी दिए जाने पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्रीन पार्क सिर्फ स्टेडियम नहीं, हमारी धरोहर है। यहां लगातार मैच मिलते रहेंगे तो इसकी चमक कायम रहेगी और पूरी दुनिया में नाम रोशन होगा।

प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की जन्मस्थली पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

कानपुर। प्रेमानंद महाराज की जन्मस्थली पहुंचे सतीश महाना ने ग्रामीणों से वार्ता की। गांव के सभी पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को महाराजपुर विधानसभा के अंतर्गत प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज की जन्मस्थली गांव अखरी में सुबह पहुंचकर औचक निरीक्षण के साथ गांव का पैदल भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान महाना ने गांव के सभी पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत गांव में पेयजल की स्थिति जानने के लिए नलों पर जाकर स्वयं पानी पीकर ग्रामीणों से जानकारी ली कि पानी रोज इसी तरह आता है या नहीं। महाना ने संत श्री प्रेमानंद जी महाराज के घर पहुंचकर महाराज जी के बड़े भाई गणेश शंकर पांडेय एवं परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर कुशल क्षेम जाना। महाना ने ग्रामीणों से वार्ता करते हुए बताया कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि पूज्य संत प्रेमानंद महाराज जी का जन्म मेरी विधानसभा के अंतर्गत अखरी गांव में हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से सुरेंद्र अवस्थी, विनय मिश्रा, रानू शुक्ला, विनय प्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह, लक्ष्मी कांत निषाद, सुमित पांडेय आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

मामा के साथ गंगा स्नान करने गया था 10 साल का बच्चा

भदोही। भदोही जिले में मामा के साथ गंगा स्नान करने गए भांजे की डुबने से मौत हो गई। वह घर का इकलौता चिराग था। बालक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। भदोही जिले की कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गंगा घाट पर 10 वर्षीय किशोर अनमोल की गंगा में डूबने से मौत हो गई। वह परिजनों के साथ घाट पर स्नान करने गया था। वह घर का इकलौता चिराग था। किशोर की मौत से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। कैसे हुआ हादसा कोतवाली के भगवतपुर गांव निवासी बाबा प्रधान का भांजा अनमोल पुत्र भाई लाल बिंद अपने छोटे मामा के साथ गंगा स्नान करने रामपुर गंगा घाट गया था। स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया। आनन-फानन मामा समेत अन्य घाट पर मौजूद लोगों ने किशोर को पानी से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनमोल मूल रूप से देवनाथपुर से सटे समही गांव का रहने वाला है। रविवार को ही ननिहाल आया था। वह तीन बेटियों के बाद काफी मनौती के बाद इकलौता पुत्र हुआ था। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों पर गम का पहाड़ टूट गया। परिजन शव अपने साथ घर ले गए।

संक्षिप्त खबरें

हाईवे पर हादसे में अयोध्या के युवक की मौत

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मझौवा दूबे गांव के पास शनिवार की रात करीब 12 बजे सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। रात में शव पर वाहनों के गुजरने से शव क्षत-विक्षत हो गया। सुबह राहगीरों की सूचना पर पहुंची छावनी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छावनी थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि मृतक की पहचान 19 वर्षीय अंशु सिंह पुत्र मुन्ना सिंह निवासी सिटी कालोनी, मकबरा थाना फतेहगंज अयोध्या के रूप में हुई है। हादसे की जानकारी पीआरवी पुलिस को हुई। मृतक के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

भगत सिंह को युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया

बस्ती। रोडवेज तिराहे पर रविवार को शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की 118वीं जयंती मनाई गई। कायस्थ सेवा ट्रस्ट के मंडल उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। संरक्षक राजेश श्रीवास्तव और आशीष श्रीवास्तव ने भगत सिंह के बलिदान को याद किया। भगत सिंह को युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया। संस्थापक अजय श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि 28 सितंबर कर 1907को जन्मे भगत सिंह कम उम्र में ही आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए थे। उनकी लोकप्रियता से भयभीत ब्रिटिश हुक्मरान ने उन्हें 23 वर्ष की उम्र में ही फांसी पर लटका दिया। सलाहकार समिति के सदस्य नवीन श्रीवास्तव व महामंत्री विश्वास चित्रांश दुर्गेंद्र श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

50 लोगों ने किया रक्तदान

बस्ती। पीडब्ल्यूडी परिसर में रविवार को सेवा ब्लड बैंक के जरिये अस्पताल ने रक्तदान शिविर लगाया। इसमें 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। अजय चौधरी और राहुल चौधरी ने कहा कि रक्तदान को महादान इसलिए कहा गया है कि रक्तदाता पीड़ित लोगों के प्राण बचाने का माध्यम बनते हैं। रक्तदान से शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। रक्तदान करने आए कई युवाओं ने इसे अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया और कहा कि इससे न केवल दूसरों की जान बचती है, बल्कि इससे आत्मसंतोष और गर्व की अनुभूति होती है। रक्तदान करने वालों में राहुल चौधरी, सुनील कुमार चौधरी, राहुल पटेल, सुरेन्द्र प्रताप, राम सुरेश, धर्मेंद्र चौधरी, राकेश कुमार, अभय पटेल, विजय कुमार, देवेश पटेल आदि शामिल रहे।

एक अक्तूबर को होगा विशाल भंडारा

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के मुनियांव गांव में स्थापित दुर्गा प्रतिमा स्थलों पर एक अक्तूबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के अनूप पांडेय एवं नितिन पांडेय ने बताया कि एक अक्तूबर को दुर्गा पंडाल में हवन-यज्ञ कराया जाएगा। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें हरि इच्छा तक प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलता रहेगा।

भगत सिंह की याद में युवाओं ने किया पौधरोपण

बस्ती। सरदार भगत सिंह की जयंती पर पटेल चौक स्थित मंदिर परिसर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता व नशामुक्ति अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। युवाओं ने भगत सिंह को याद कर पीपल व पाकड़ के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। निदेशक इं. अंशुल पटेल ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता व नशामुक्ति के प्रति युवाओं को शपथ दिलाई। सहकार भारती के जिलाध्यक्ष ओमकार चौधरी, दीपक गौड़, जितेंद्र साहनी, मनीष चौधरी, बबलू चौधरी, जयेंद्र पटेल, साहिल यादव, अवनीश चौधरी, अखिलेश चौधरी, विकास मौजूद रहे।

वर्षों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट जली

बस्ती। बस्ती-बांसी मार्ग पर एनएच-233 स्थित मानिक चंद चौराहा पर लगी स्ट्रीट लाइट वर्षों से बंद पड़ी थी। नवरात्र पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य हृदय राम चौधरी के प्रयास से यह चौराहा जगमग हो गया। स्ट्रीट लाइट जलने से कस्बे के लोगों को सुविधा हो रही है। स्थानीय दुकानदार विकास, हरिचरण चौधरी, राजेश कलेश, सिया राम, मुनिराम, मोनू आदि ने बताया कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण यह स्ट्रीट लाइट लंबे समय तक बंद पड़ी थी। कई बार एन एच के कर्मचारियों और अधिकारियों से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। इससे कस्बे में चोरी और अपराध की घटनाओं को लेकर लोगों में भय व्याप्त था।

वाराह क्षेत्र धाम मार्ग की सड़क बदहाल

बस्ती। सल्टौआ ब्लॉक के वाराह छत्तर धाम को जोड़ने वाली सड़क खस्ताहाल है। बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से राहगीर और वाहन चालक खतरे की आशंका में सहमे रहते हैं। वाराह क्षेत्र धाम में पक्के पुल का निर्माण प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत किया गया था। इसके बाद इस पुल को सड़क से जोड़ने के लिए बाराह छत्तर से सुकरौली तक सड़क का निर्माण होना था। लेकिन निर्माण इकाई ने वाराह छत्तर धाम के बजाय राजस्व गांव वाराह क्षेत्र की सरहद से सड़क बना दी। इससे लगभग 600 मीटर मार्ग अधूरा रह गया। इसी पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। अजगैवाजगल के धर्मेंद्र चौधरी का कहना है कि यह ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल है। जर्जर सड़क के कारण पर्यटक आसानी से नहीं पहुंच पाएंगे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चंद्र शेखर चौधरी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व प्रधान जुग्गी बर्मा, श्रीराम पांडेय और रामराज पांडेय ने भी सड़क निर्माण की मांग दोहराई। जेई सुनील दत्त ने बताया कि सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना में शामिल थी। लेकिन, ठेकेदार ने निर्माण नहीं कराया गया। इस संबंध में कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी गई है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव से सुशासन को मिलेगा बढ़ावा

बस्ती। क्षेत्र में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषयक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन जिला संयोजक सचिन सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि रुधौली गन्ना समिति के अध्यक्ष पुष्करादित्य सिंह रहे। विशेष अतिथि के रूप में अभियान के जिला समन्वयक पवन कसौधन, मंडल अध्यक्ष सुजीत सोनी तथा सभासद प्रतीक सिंह मौजूद रहे। अतिथियों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए बताया कि इससे संसाधनों की बचत, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। जिला संयोजक ने कहा कि यह पहल लोकतंत्र को और सशक्त बनाने वाली है तथा जनता को बार-बार चुनाव प्रक्रिया से गुजरने की असुविधा से राहत मिलेगी।

भारत ने भूटान के साथ दो सीमा पार रेल परियोजनाओं का किया एलान, 4033 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को भूटान के साथ दो नई रेल परियोजनाओं का एलान किया। सरकार ने बताया कि भूटान के शहरों समत्से और गेलेफू के लिए 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से दो सीमा पार रेल संपर्क स्थापित किए जाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इन रेल परियोजनाओं की जानकारी दी। मिसरी ने कहा कि दोनों सरकारें बानरहाट (पश्चिम बंगाल) को समत्से से और कोकराझार (असम) को गेलेफू से जोड़ने के लिए दो सीमापार रेल संपर्क स्थापित करने पर सहमत हो गई हैं। उन्होंने कहा, भारत और भूटान के बीच असाधारण विश्वास, पारस्परिक सम्मान और समझ का रिश्ता है। रेल संपर्क स्थापित करने के लिए समझौते पर पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भूटान यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। वैष्णव ने बताया कि ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के नेटवर्क से शुरू होंगी।

वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के पीछे निजीकरण की योजना

महाराष्ट्र में रिस्ट्रक्चरिंग के विरोध में बिजली कर्मी पर सड़कों पर उतरे

लखनऊ (संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के पीछे अधिक राजस्व वाले कई शहरों को अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी में निजी घरानों को देने की योजना है। वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग का सुझाव ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन का है और यह केवल निजीकरण के लिए है।महाराष्ट्र में रिस्ट्रक्चरिंग के विरोध में बिजली कर्मी सड़कों पर उतर आए हैं और उन्होंने हड़ताल की नोटिस दे दी है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में विगत 10 महीने से अधिक समय से चल रहे आंदोलन से खीझा हुआ पावर कापोर्रेशन प्रबंधन अब कई शहरों की बिजली व्यवस्था रिस्ट्रक्चरिंग कर अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी को देने जा रहा है। इसी दृष्टि से अब तक केस्को, अलीगढ़ ,मेरठ, बरेली, लेसा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, नोएडा और सहारनपुर की बिजली वितरण व्यवस्था के वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के प्रस्ताव को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर से मंजूरी मिल चुकी है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग का प्रस्ताव ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन की ओर से दिया गया है, जिस पर पावर कापोर्रेशन प्रबंधन अमल कर रहा है। ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन,टाटा पावर और निजी कंपनियों की मदद से चार-पांच नवंबर को मुंबई में डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट का आयोजन कर रही है। महाराष्ट्र में भी इस आयोजन के पहले रिस्ट्रक्चरिंग का प्रस्ताव सामने आया है जिसका बिजली कर्मचारियों ने पुरजोर विरोध करना शुरू कर दिया है। संघर्ष समिति ने कहा कि वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के नाम पर बड़े पैमाने पर स्वीकृत पदों की संख्या घटाई जा रही है जिससे अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी के बाद बिजली कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता सरप्लस हो जाएंगे। हजारों की संख्या में संविदा कर्मियों की नौकरी जाएगी क्योंकि निजी फ्रेंचाइजी संविदा कर्मियों को और नियमित कर्मचारियों को अपने यहां नहीं रखती। संघर्ष समिति ने कहा कि वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के बाद केस्को में 325 पद मेरठ में 487 पद बरेली में 372 पद और लेसा में 2055 पद काम हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त संविदा कर्मियों के हजारों पर समाप्त हो जाएंगे और उनकी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी। निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के 306 दिन आज पूरे हो गए हैं। आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिजार्पुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद में बिजली कर्मियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

राजधानी में 23 नवंबर से राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन होगा, पीएम उद्घाटन-राष्ट्रपति समापन करेंगी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ को 61 साल बाद राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी मिली है। वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर इस आयोजन के लिए विश्वस्तरीय टेंट सिटी तैयार की जा रही है। सोमवार को कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने भूमि पूजन कर औपचारिक शुरूआत की। 23 से 29 नवंबर तक चलने वाले आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों प्रस्तावित है। इसमें देशभर से 35 हजार से अधिक स्काउट्स और गाइड्स भाग लेंगे। राष्ट्रीय जम्बूरी में देशभर से आए प्रतिभागियों के लिए साहसिक गतिविधियों की विशेष व्यवस्था की जा रही है। हाई रोप्स, जिपलाइन, ट्रैकिंग और एडवेंचर पार्क जैसे आयोजन युवाओं में आत्मविश्वास और साहस का संचार करेंगे। आयोजकों के मुताबिक यह केवल एक स्काउट-गाइड कैंप नहीं बल्कि युवाओं को नेतृत्व, अनुशासन और टीमवर्क सिखाने का अवसर होगा। इस जम्बूरी में सांस्कृतिक रंग भी बिखरेंगे। ग्लोबल विलेज, लोकनृत्य, नाटक और गीत-संगीत के कार्यक्रम पूरे परिसर को एक उत्सव में बदल देंगे। भारत की सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ अन्य देशों की परंपराओं का भी प्रदर्शन होगा, जिससे यह आयोजन वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच बनेगा। राज्य सरकार ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस जम्बूरी को विश्वस्तरीय बनाया जाए ताकि उत्तर प्रदेश युवाओं का वैश्विक केंद्र बन सके। टेंट सिटी में अत्याधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 35 हजार प्रतिभागियों के आगमन से राजधानी में होटल, ट्रांसपोर्ट और खानपान सेक्टर को भी बड़ा बिजनेस मिलने वाला है। शहर के कई इलाकों में साफ-सफाई, ट्रैफिक मैनेजमेंट और सड़क मरम्मत का काम शुरू हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

संजय कुमार अध्यक्ष और ज्ञान प्रकाश बने महामंत्री

लखनऊ (संवाददाता)। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन उप्र. का चुनाव स्वास्थ्य भवन महानिदेशालय में संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष पद पर संजय कुमार अपने प्रतिद्वंदी जितेंद्र नाथ गुप्ता से एक मत से विजयी घोषित हुए, जबकि महामंत्री ज्ञान प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोमेश श्रीवास्तव को 62 वोट के अंतर से करारी शिकस्त देकर विजय प्राप्त की। इसके अलावा एसोसिएशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लोकेश यादव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष तरुण यादव चुने गए। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर मनोज यादव, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री अमित चौधरी, कनिष्ठ संयुक्त मंत्री नीरज वर्मा, संगठन मंत्री सागर श्रीवास्तव, ऑडिटर विवेक श्रीवास्तव, सांस्कृतिक एवं प्रचार मंत्री धीरेंद्र सिंह निर्विरोध चुने गए।

राम मंदिर निर्माण से नई अयोध्या का उदय: सूचना आयुक्त

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने कहा भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद एक नई अयोध्या का स्वरूप उभर रहा है। उन्होंने बताया कि इस आध्यात्मिक वातावरण में संतों की प्रेरणा से आयोजित श्रीरामलीला के माध्यम से सनातन चेतना का जागरण हो रहा है। डॉ. अग्निहोत्री ने सरयू गेस्ट हाउस में संत पंकज कृष्ण शास्त्री से आशीर्वचन प्राप्त करने के बाद यह बात कही। उन्होंने मानवीय क्षमता की सीमा और नारायण की असीमित शक्ति के बारे में बताया। नारायण अवतार लेकर भी अनजान बनकर लीला का निर्वाह करते हैं। रामलीला इसी भाव की अभिव्यक्ति है। डॉ. अग्निहोत्री ने आगे कहा समय और तकनीक में बदलाव के बावजूद सदियों से रामलीला की परंपरा जारी है। उन्होंने रामचरितमानस को केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि गीत, कथा, प्रवचन और नाटक के रूप में जनमानस की आत्मा बताया। रामलीला लोक नाटक की एक जीवंत परंपरा है, जिसकी नींव तुलसीदास ने रखी थी। उन्होंने बताया कि तुलसीदास के शिष्यों ने सबसे पहले इसका मंचन किया था। विदेशी आक्रांताओं के दौर में भी यह परंपरा राजा रामचंद्र की जय के उद्घोष के साथ पूर्ण होती रही। डॉ. अग्निहोत्री के अनुसार, यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक स्वतंत्रता का एक जीवंत प्रमाण है।

आईटीआई अलीगंज में जॉब फेयर, 16 हजार प्रतिमाह का मिला पैकेज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगंज में मध्यांचल इंफ्रा -1 कंपनी द्वारा सोमवार को रोजगार मेला लगाया गया। इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी दूर दराज के जिलों से आईटीआई कैंपस पहुंचे। इस जॉब फेयर में मध्यांचल इंफ्रा-1 कंपनी शामिल हुई। जॉब फेयर का आगाज पूर्व डिप्टी मेयर लखनऊ प्रदीप शुक्ला के द्वारा किया गया। दोपहर तक करीब सवा सौ अभ्यर्थियों ने इंटरव्यू के लिए रजिस्ट्रेशन कराया प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि मध्यांचल इंफ्रा-1 कंपनी भर्ती के लिए पहुंची थी। कुल 120 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इनमें से 20 का सेलेक्शन हुआ। इनको 16 हजार तक की सैलरी ऑफर की गई है।

पीएचडी स्कॉलर के फ्लैट में लगी आग,सिक्योरिटी गार्डों ने बुझाई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सोमवार सुबह पीएचडी स्कॉलर के फ्लैट में आग लग गई। इसमें किताबें और कपड़े जल गए। धुआं देखते ही सिक्योरिटी गार्डों ने फ्लैट का फायर एक्सटिंगिवीशर चालू कर आग बुझा दी। दरअसल, छात्रा नवरात्र की पूजा करके बाहर गई थी। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित सरयू एनक्लेव अपार्टमेंट की है। यहां डीध्2 टावर के एक फ्लैट में आग लग गई थी। आग लगते ही अपार्टमेंट के निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि फ्लैट का सारा सामान जलकर राख हो गया।

घरों के सामने कूड़ा डंप होने लोगों में काफी आक्रोश गुस्साए लोगों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग इलाके में लोगों के घरों के सामने कूड़ाघर बन गया है। इसके विरोध में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को नगर निगम की जेसीबी कूड़ा हटाने के लिए पहुंची। स्थानीय लोगों ने जेसीबी को मौके पर ही रोक लिया। कूड़ा उठाने नहीं दिया। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की। लोगों ने उनकी बातें नहीं मान रहे हैं। नगर आयुक्त को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हैं। स्थानीय पार्षद संदीप शर्मा ने बताया कि ढाई घंटे से स्थानीय लोग प्रदर्शन कर रहे, लेकिन जोनल अधिकारी तक मौके पर नहीं पहुंचे हैं। सड़क पर लोगों के घरों के सामने तक कूड़ा पड़ा हुआ है। नगर निगम के लोगों ने 12 दिनों से कूड़ा तक नहीं हटाया है। इसके चलते लोगों के घरों में दुर्गंध फैल रही। शिकायत के बाद भी नगर निगम की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हो रही। कोई अधिकारी नहीं सुन रहा है। न ही कोई कार्रवाई हो रही। कई बार इसके लिए अधिकारियों को पत्र लिख चुके हैं। स्थानीय निवासी भानु प्रताप ने कहा कि कई दिनों से कूड़ा नहीं उठने से सड़क पर कचरे का ढेर होने से लोग नाराज हैं। इसके चलते घर छोड़ने को लोग मजबूर हो रहे। कोई सुन नहीं रहा। कूड़ा घर में कूड़ा रखने के बजाय घर के बाहर कूड़ा फेंका जा रहा।

एशियन किड्स, ठाकुरगंज में धूमधाम से मनाया गया दशहरा एवं डांडिया नाइट

लखनऊ (संवाददाता)। एशियन किड्स में दशहरे के पावन अवसर पर दशहरा एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती बीनू गोगिया , डांसिंग दीवा एकेडमी की संस्थापक एवं कोरियोग्राफर, उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत एशियन किड्स के बच्चों द्वारा रामलीला मंचन से हुई, जिसमें राम, सीता, हनुमान और अन्य पात्रों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का हृदय मोह लिया। बच्चों के अभिनय और नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद डांडिया नाइट का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की माताओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में आकर्षक डांडिया प्रस्तुति दी। उनकी ताल और उत्साह ने वातावरण को और भी अधिक आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक शहाब हैदर ने दशहरे के महत्व पर सरल और प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दशहरा हमें यह सिखाता है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करती है और हमें अपने जीवन में सत्य, साहस और नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। मुख्य अतिथि श्रीमती बीनू गोगिया ने बच्चों की प्रस्तुतियों और विद्यालय की इस सांस्कृतिक पहल की प्रशंसा की और सभी को दशहरे की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का समापन हर्ष और उल्लास के वातावरण में हुआ।

ज्ञानदान पूर्वजों को सच्च्ची श्रद्धांजलि है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत अर्णव पैरामेडिकल इन्स्टीट्यूट, सतरिख, बाराबंकी, उ०प्र० के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 449वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्ता श्री बी०पी० सविता ने अपने सम्मानित पूर्वजों की स्मृति में भेंट किया तथा उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकगणों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ज्ञानदान पूर्वजों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

वाहन ने बाइक में मारी टक्कर,चाचा-भतीजे की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। निगोहां थाना क्षेत्र में बीती देर रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्तियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान चाचा-भतीजे अभिषेक कुमार और धीरेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि यह घटना रविवार रात करीब 10रू30 बजे उदयपुर गांव के विश्वकर्मा मंदिर के पास रायबरेली से लखनऊ जाने वाले मार्ग पर हुई। अभिषेक कुमार पुत्र राम सजीवन और धीरेन्द्र कुमार पुत्र विजय बहादुर निवासीगण सलाहीखेड़ा, थाना नगराम बाइक (यूपी 32 एमएल 5965) से निगोहां कस्बे से मोहनलालगंज की ओर जा रहे थे। उदयपुर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद दोनों घायलों को एम्बुलेंस से मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभिषेक कुमार धीरेन्द्र कुमार के चाचा थे। दोनों मजदूरी करते थे। मामले की पुलिस को शिकायत मिली है।

नादरगंज-अमौसी रेलवे स्टेशन रोड पर 1 घंटे फंसे रहे वाहन चालक

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के सरोजनी नगर में नादरगंज-अमौसी रेलवे स्टेशन रोड पर सोमवार को सड़क पर खड़े बड़े वाहनों के कारण करीब 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यह जाम गिंदन खेड़ा नहर से बेहटवा नहर के बीच कई स्थानों पर वाहनों के खड़े होने से लगा। सुबह करीब 8.30 बजे से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे राहगीर 1 घंटे से अधिक समय तक जाम में फंसे रहे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु कराया। कान्हा उपवन के पास से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जो लगभग एक किलोमीटर तक फैली थीं। फैक्ट्री और वेयर हाउसों के सामने अक्सर बड़े वाहनों के खड़े रहने से इस मार्ग पर जाम की समस्या आम हो गई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले गिंदन खेड़ा नहर और कान्हा उपवन के बीच सड़क पर खड़े वाहनों के कारण रास्ता संकरा होने से एक स्कूटी सवार अस्पताल कर्मी की टैंकर के नीचे आकर मौत हो गई थी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क की खराब स्थिति और सड़क पर खड़े वाहनों को लेकर प्रदर्शन किया था। तब एसीपी कृष्णा नगर ने आश्वासन दिया था कि ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की गश्त में ड्यूटी लगाई जाएगी। उनका काम सड़क पर खड़े वाहनों को हटाना और चालान करना होगा। पुलिस ने कुछ दिनों तक वाहनों को हटवाया भी था, लेकिन बाद में स्थिति फिर पुरानी जैसी हो गई। अब एक बार फिर सड़क के दोनों ओर बड़े वाहन खड़े रहते हैं, जिससे रास्ता संकरा हो जाता है और लोगों को आए दिन जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। सोमवार को भी इसी कारण एक घंटे से अधिक समय तक यातायात पूरी तरह रुका रहा। बताते चलें यह अति व्यस्ततम सड़क है। इस सड़क पर नादरगंज से आगरा एक्सप्रेस वे को आने जाने वाले वाहनों के अलावा अमौसी पेट्रोलियम डिपो व गैस बॉटलिंग प्लांट के ट्रक और टैंकरों के अलावा तमाम गांवों के लोगों का आना-जाना रहता है।

स्कूटी पर लात मारने वाले स्नेचर की हत्या, हिस्ट्रीशीटर संजय यादव की लाश मिली

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कारोबारी की स्कूटी पर लात मारने वाले स्नेचर की सीतापुर में लाश मिली है। उसके पैर के नाखून उखड़े थे। शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं। पुलिस का कहना है कि संजय यादव की हत्या करके शव सड़क किनारे फेंका गया। लखनऊ पुलिस हिस्ट्रीशीटर संजय यादव (40) की 9 दिन से तलाश कर रही थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) बबलू कुमार ने रविवार को बताया था कि संजय पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित करने का प्रस्ताव तैयार कर पुलिस आयुक्त को भेजा गया था। इसकी आधिकारिक घोषणा बाकी थी। दरअसल, लखनऊ के गुडंबा इलाके में 20 सितंबर को कारोबारी अतुल जैन स्कूटी से जा रहे थे। तभी संजय ने अपने ममेरे भाई अरविंद वर्मा के साथ मिलकर अतुल की चेन लूट ली, जब अतुल लुटेरों का पीछा करने लगे तो संजय ने स्कूटी में लात मार दी। लात मारने से स्कूटी गिर गई। अतुल का सिर सड़क पर खड़ी पिकअप से टकरा गया। इससे उनकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी सामने आया था। लखनऊ पुलिस ने संजय के ममेरे भाई को 25 सितंबर को एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया था, जबकि संजय फरार चल रहा था। अब सीतापुर में सोमवार सुबह सड़क किनारे उसकी लाश मिली। इस पर मृतक व्यवसायी अतुल के परिजन ने कहा- हमारा भाई चला गया अब कोई बात नहीं करनी। सीतापुर के सिधौली कोतवाली स्थित

नीलगांव में सोमवार सुबह सड़क किनारे झाड़ियों में युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया कि शव के पास से बाइक बरामद की गई। इसके आधार युवक की पहचान लखनऊ के बख्शी तालाब निवासी संजय यादव के तौर पर हुई। शव के मुंह और नाक से झाग निकल रहा था। शरीर और गर्दन पर गंभीर चोट के निशान थे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। सीतापुर पुलिस की सूचना पर लखनऊ पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लखनऊ में बख्शी का तालाब (बीकेटी) निवासी संजय यादव पर लूट, चोरी और मारपीट समेत 18 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। सबसे ज्यादा मुकदमे सीतापुर और बाराबंकी के थानों में दर्ज हैं। संजय बीकेटी थाने का हिस्ट्रीशीटर था। 5 महीने पहले जेल से रिहा होने के बाद से वह इलाके में दिखाई नहीं दिया था। 20 सितंबर को 4-नंबर चौराहे पर अतुल जैन से चेन लूट की घटना हुई। लूटते समय वह सीसीटीवी में कैद हो गया। इसके बाद से लखनऊ पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।

पति के जाते ही घर आने लगा प्रेमी,मिलने से टोका तो मायके वालों के साथ महिला ने ससुराल में चोरी की

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में पति के ड्यूटी जाने पर उसके घर पत्नी का प्रेमी आने लगा। वह पत्नी के मायके के गांव का था। दोनों के मिलने की बात जैसे ही पति को पता चली तो वह टोकने लगा। टोकने से परेशान होकर प्रेमी ने घर आकर पति को जान से मारने की धमकी दी। पत्नी भी युवक से रोज लड़ने लगी। जब मामला ज्यादा बढ़ा तो पति ने पत्नी को उसके मायके भेज दिया। उसी रात पत्नी अपने प्रेमी और मायकेवालों के साथ ससुराल आई। सबने उसके घर से जेवर, नकदी चुरा लिए। कई कीमती कागजात भी चुरा ले गए। यह आरोप पारा थाना क्षेत्र के पीड़ित पति शराफत अली ने लगाया। उनकी शिकायत जब थाने में दर्ज नहीं हुई तो वह न्यायालय पहुंच गए। न्यायालय में उन्होंने लिखित शिकायत में बताया कि उनकी शादी करीब नौ साल पहले सायमा से हुई थी। वह लखनऊ में पेट्रोल पंप पर कार्यरत हैं और परिवार के साथ किराए के मकान में रहते थे। शादी के कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी का मायके में रहने वाले अंकुर नामक युवक से प्रेम संबंध है। विरोध करने पर पत्नी झगड़ा करने लगी। वर्ष 2019 में शराफत ने अपना खुद का मकान बनवाया। रात की ड्यूटी के कारण देर से घर लौटने पर उन्हें पत्नी पर शक गहराने लगा। पड़ोसियों ने भी बताया कि उनकी अनुपस्थिति में रोहित नामक युवक उनके घर आता था। शराफत को पत्नी के मोबाइल में रोहित से बातचीत और चौटिंग के सबूत भी मिले। जब उन्होंने पत्नी को टोका, तो उसने जान से मारने की धमकी दी। शराफत ने 12 अप्रैल 2025 को अपने ससुर को बुलाकर पत्नी को मायके भेज दिया। उसी रात करीब 9 बजे मोहल्ले के एक युवक ने उन्हें सूचना दी कि उनकी पत्नी सायमा, पिता ईदी हसन, बहन मोमिना, साढू शोहरत अली और देवर इशरार अली घर का ताला तोड़कर सारा सामान निकाल ले गए हैं।

भारत विकास परिषद ने 121 कन्याओं का पूजन किया

लखनऊ (संवाददाता)। भारत विकास परिषद, कृष्णा नगर शाखा ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर लखनऊ में 121 कन्याओं का पूजन किया। यह आयोजन कृष्णा नगर स्थित सुमति नाथ सेवा भवन में हुआ, जिसका शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और देवी स्तुति के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी थीं। उन्होंने परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कन्या पूजन भारतीय संस्कृति की अद्भुत परंपरा है, जो नारी शक्ति के सम्मान और उनके महत्व को दर्शाती है। उन्होंने सनातन धर्म में कन्याओं को शक्ति का स्वरूप बताया। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने इस बात पर जोर दिया कि कन्याओं का पूजन केवल भारतवर्ष में ही संभव है। उन्होंने परिषद कार्यकताओं को बधाई देते हुएऐसे आयोजनों को समाज को संस्कारित और सशक्त बनाने वाला बताया। संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल ने शारदीय नवरात्रि में शक्ति साधना के महत्व पर प्रकाश डाला और कन्याओं को शक्ति का साकार रूप बताया। प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र स्वरूप शुक्ल ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए समाज को सबल और संस्कारित बनाने के लिए ऐसे प्रयासों की निरंतरता पर जोर दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका कीर्ति तिवारी, शाखा अध्यक्ष डॉ. संजीव अवस्थी, सचिव शशि प्रकाश सिंह, कोषाध्यक्ष संजीव भदौरिया सहित परिषद के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

लोनिवि विद्युत यांत्रिक संवर्ग का पुनगर्ठन

लखनऊ (संवाददाता)। लोक निर्माण विभाग विद्युत यॉत्रिक संवर्ग का पुनगर्ठन किया गया है। विद्युत यॉत्रिक संवर्ग में तीन नए खण्डों का सृजन एवं तीन स्टाफ अफसर के पद समाप्त किये गए है। विशेष सचिव शेषनाथ द्वारा इस आशय का ज्ञाप जारी किए गया है। लोक निर्माण विभाग विद्युत यॉत्रिक संवर्ग का पुनगर्ठन जारी ज्ञाप में बॉदा, बस्ती और गोण्डा के तीन नए खण्ड बनाए गए है। स्टाफ अफसर लखनऊ, वाराणसी और मुरादाबा के स्टाफ अफसर के पद समाप्त इन तीन नए खण्डों का सृजन किया गया है। यॉत्रिक खण्ड फतेहपुर को प्रयागराज और इटावा को मिजार्पुर से सम्बंद्ध किया गया है। फतेहपुर खण्ड के नियंत्रक अधिकारी अधीक्षण अभियंता 44 वॉ वृत वाराणसी और मुख्य अभियंता पूर्वांचल गोरखपुर, यांत्रिक खण्ड इटावा को यांत्रिक खण्ड मिजार्पुर बनाकर अधीक्षण अभियंता 44 वॉ वृत वाराणसी और मुख्य अभियंता पूर्वांचल गोरखपुर,से सम्बंद्ध किया गया है। स्टाफ अफसर 30 वॉ वृत्त लखनऊ को अधिशासी अभिया विद्युत यॉत्रिक खण्ड बॉदा नियंत्रक अधिकारी अधीक्षण अभियंता कानुपर और मुख्य अभियंता मध्यांचल लखनऊ, स्टॉफ अफसर 44 वॉ वृत्त वाराणसी को अधिशासी अभियंता वाराणासी , अधीक्षण अभियंता गोरखपुर मुख्य अभियंता मुख्य अभियंता पूर्वांचल गोरखपुर,से सम्बंद्ध किया गया है ।स्टाफ अफसर 47 वॉ वृत्त मुरादाबाद को अधिशासी अभियंता गोण्डा नियंत्रक अधिकारी अधीक्षण अभियंता 17 वॉ वृत्त लखनऊ और मुख्य अभियंता मुख्य अभियंता मध्यांचल लखनऊ से सम्बद्ध किया गया है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अनिवार्य बनाए रखना संविधान और अधिकारों के खिलाफ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में दीपावली से पहले नए विद्युत कनेक्शनों को लेकर उपभोक्ताओं की समस्याएं अब गरम मुद्दा बन गई हैं। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश सरकार और पावर कारपोरेशन से मांग की थी कि उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के नए बिजली कनेक्शन पूर्व की भांति सस्ती दरों पर दिए जाएं।इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने नए विद्युत संयोजनों को समय पर जारी किए जाने के लिए टीमों का गठन कर आदेश जारी किया है। इसमें समस्त मुख्य अभियंताओं और निदेशक वाणिज्य को साप्ताहिक स्तर पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि परिषद का आरोप है कि इन प्रयासों के बावजूद स्मार्ट प्रीपेड मीटर की शर्त को अनिवार्य बनाए रखना संविधान और उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ है। परिषद ने मांग की है कि बिना किसी पूर्व निर्धारण और मूल्य निर्धारण के ऐसे मीटरों को जबरन थोपने की प्रक्रिया तुरंत बंद की जाए। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ता को पोस्टपेड मी व प्रीपेड मीटर लेने का विकल्प है।वर्मा ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने की शर्त थोपना पूरी तरह गलत और विद्युत नियामक आयोग के आदेशों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अभी तक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दरें तय नहीं की हैं, ऐसे में 6,000 प्रति मीटर की लागत वसूलना सरासर अनुचित और असंवैधानिक है।उन्होंने यह भी कहा कि आरडीएसएस योजना के तहत लगाए जा रहे मीटरों की लागत उपभोक्ताओं से वसूलना नियमों के विरुद्ध है। दीपावली जैसे त्यौहार के समय जब उपभोक्ता अपने घरों को रोशन करने के लिए नए कनेक्शन चाहते हैं, तब ऐसी शर्तें लगाना आम जनता के साथ अन्याय है।उपभोक्ता परिषद ने मांग रखी है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अनिवार्य न किया जाए।दीपावली से पहले उपभोक्ताओं को समय पर बिजली कनेक्शन दिया जाए।6,000 की मीटर लागत वसूली तुरंत रोकी जाए।विद्युत अधिनियम और नियामक आयोग के आदेशों का पालन सुनिश्चित हो। अब देखना यह है कि प्रदेश सरकार और ऊर्जा विभाग उपभोक्ता परिषद की इन आपत्तियों पर क्या रुख अपनाते हैं। दीपावली नजदीक है और लाखों उपभोक्ताओं को समय पर बिजली कनेक्शन की जरूरत है कृ ऐसे में यह मुद्दा और भी अहम हो गया है।

सम्पादकीय

एक और भगदड़, कई और मौतें

देश में एक बार फिर भगदड़ की घटना ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। शनिवार को तमिलनाडु के करूर में टीवीके की रैली थी, जिसमें अपने चहेते अभिनेता थलपति विजय को देखने हजारों लोग उमड़ पड़े। बताया जा रहा है कि इस रैली के लिए तमिलनाडु पुलिस ने 10 हजार लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन 50 हजार लोग पहुंच गए। विजय करीब 6 घंटे की देरी से रैली में पहुंचे, इस बीच भीड़ बेकाबू होती गई। रैली के दौरान ही खबर फैली कि 9 साल की एक बच्ची गुम हो गई है, जब विजय ने इस बच्ची को खोजने की अपील अपने भाषण में की, तो अफरा-तफरी मच गई, जो अंततरू जानलेवा भगदड़ में तब्दील हो गई। कम से कम 39 लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल अस्पतालों में भर्ती हैं। इस भयावह घटना के बाद विजय न करूर में रुके, न घायलों के हालचाल लिए, बल्कि सीधे चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए। जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन देर रात को करूर पहुंचे और मृतकों को श्रद्धांजलि दी साथ ही घायलों से मुलाकात की है। स्टालिन ने एक जांच कमेटी भी गठित की है, ताकि इस भगदड़ का असली कारण सामने आए और दोषियों की पड़ताल हो सके। तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार ने मुआवजे की घोषणा तो की ही है, रविवार को विजय ने भी ऐलान किया कि वे मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख देंगे। लेकिन हमेशा की तरह सवाल वही है कि क्या चंद लाख रुपयों से अकाल मौतों का इंसाफ किया जा सकेगा। याद कीजिए कि बंगलुरु में आईपीएल जीतने वाली रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की विजय परेड के दौरान भगदड़ मची थी, इससे पहले हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की फिल्म प्रदर्शन में ऐसी ही भगदड़ हुई थी। हाथरस में भोले बाबा नाम के प्रवचनकर्ता के सत्संग में भगदड़ मची थी। जिन लोगों को आम जनता अपने से ऊपर का दर्जा देती है, उन्हें महान मानती है, उनकी दीवानी होती है, उन लोगों की नजर में आम जनता असल में कीड़े-मकौड़ों से ज्यादा की हैसियत नहीं रखती है, यह कड़वी सच्चाई अब लोगों को समझ लेनी चाहिए। हिंदुस्तान का समाज व्यक्तिपूजक है और अपने उद्धार के लिए किसी चमत्कार, किसी देवदूत या भगवान की तलाश में रहता है। और इसी में उसका नुकसान होता जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि तमिलनाडु में ऐसी त्रासदी कभी नहीं हुई और न ही अब भविष्य में होनी चाहिए। लेकिन उनके ऐसा कहने के बाद भी यह कहना कठिन है कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। क्योंकि भीड़ प्रबंधन के लिए न कोई कड़े कानून बने हैं, न दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है। बता दें कि शनिवार को विजय की दो रैलियां थीं। करूर से पहले नमक्कल में सुबह 9 बजे सभा थी, जिसमें भी विजय देर से करीब पौने तीन बजे पहुंचे। तब तक धूप में भूखे-प्यासे लोग थककर गिरने लगे थे। भीड़ बेकाबू हुई, कई घायल हुए। आयोजकों ने भीड़ प्रबंधन नहीं किया। इसके बाद विजय दोपहर पौने चार बजे नमक्कल से निकले गए। इसके बाद भी कोई सबक न लेते हुए विजय करूर की रैली में भी छह घंटे देरी से पहुंचे, जिसके कारण बढ़ती भीड़ को संभालना मुश्किल हो गया। अगर नमक्कल और करूर दोनों जगह विजय वक्त से पहुंचते तो शायद कई जिंदगियां बच जातीं। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपर स्टार थलपति विजय ने तमिलगा वेट्री कझगम यानी टीवीके नाम से नया राजनैतिक दल बनाया था, जिसे इसी महीने की 8 तारीख को चुनाव आयोग से मान्यता मिली है। विजय तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में उतरने का इरादा रखते हैं। वे सत्तारुढ़ डीएमके के विकल्प के तौर पर अपनी पार्टी को लोगों के बीच प्रस्तुत करना चाहते हैं। उनका कहना है कि अब वे फिल्मों से विदा लेंगे और पूरा जीवन लोगों के लिए राजनीति में लगा देंगे। इसी उद्देश्य से वे पूरे तमिलनाडु में जगह-जगह रैलियां कर रहे थे। बीते कुछ दिनों से थलपति विजय जिस तरह न केवल डीएमके बल्कि भाजपा के विरोध में भी बातें कर रहे थे और दावा कर रहे थे कि वे किसी भी तरह से भाजपा का समर्थन नहीं करने वाले हैं, उस वजह से उन पर काफी सुर्खियां बन रही थीं। दुष्प्रचार भी प्रचार का एक तरीका ही है, इस लिहाज से देखा जाए तो लगता है कि विजय को एकदम से खबरों के केंद्र में लाने के पीछे भाजपा का प्रचार तंत्र भी काम कर रहा था। क्योंकि मीडिया में विपक्ष को आमतौर पर उतनी जगह अब नहीं मिलती है, जितनी विजय को मिली। अपनी अभिनेता वाली लोकप्रियता को विजय सफलतापूर्वक राजनीति में भुना पाएं, तो यह इंडिया गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे विजय को सियासी फायदा मिले या न मिले, लेकिन भाजपा को लाभ हो जाता, क्योंकि तमिलनाडु में भाजपा का आधार कमजोर है और एआईएडीएमके के भरोसे वह चुनाव नहीं लड़ सकती। लिहाजा दिल्ली, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश की तरह तमिलनाडु में बी टीम खड़ा करना भाजपा के लिए जरूरी था। विजय इसी बी टीम का सबसे नया हिस्सा दिखाई दे रहे हैं।

चीन की रेयर अर्थ मोनोपॉली को उसके दोस्त पाक ने ही दी चुनौती, रंगीन बक्सा दिखाकर ट्रंप को खुश किया

देखा जाये तो दुनिया के रेयर अर्थ बाजार पर चीन का लगभग 60-65% नियंत्रण है और अमेरिका अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात करता है। लेकिन हाल में बीजिंग ने नियंत्रित निर्यात नीति अपनाई है, जिससे अमेरिका को गंभीर रणनीतिक दबाव महसूस हो रहा है। पाकिस्तान की राजनीति में हाल के दिनों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

और आर्मी चीफ असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान उनको एक बॉक्स में रंगीन खनिज पत्थर और अयस्क दिखाए। इनमें बास्टनजाइट और मोनाजाइट जैसे खनिज माने जा रहे हैं, जिनसे सेरीयम, लैंथेनम और नियोडिमियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स (फ्एए२) प्राप्त होते हैं। यही वह तत्व हैं जिन पर आज की दुनिया की हाई-टेक इंडस्ट्री यानि स्मार्टफोन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी आदि टिकी हुई हैं। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान लंबे समय से अपने अनछुए खनिज भंडार की बात करता आया है, खासकर बलूचिस्तान और खैबर पख़्तूनख़्वा में। इन खनिजों का वास्तविक व्यावसायिक मूल्य या भंडार का आकार अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल में पाकिस्तान की सैन्य-नागरिक सत्ता ने अमेरिकी कंपनी (वररट) के साथ करार कर अपनी मंशा जाहिर कर दी है। बताया जा रहा है कि पहले चरण (2025झ26) में आसानी से उपलब्ध तांबे व अन्य खनिजों का अमेरिका को निर्यात होगा। दूसरे चरण (2026झ28) में पाकिस्तान में प्रोसेसिंग प्लांट्स और रिफाइनरी बनाने सहित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होगी। तीसरे चरण (2028 के बाद) में बड़े पैमाने पर खनन, ड्रिलिंग और 5झ10 नए प्रोजेक्ट्स की शुरूआत होगी। बताया जा रहा है कि इस सौदे के शुरूआती निवेश का मूल्य लगभग 500 मिलियन डॉलर है। देखा जाये तो दुनिया के रेयर अर्थ बाजार पर चीन का लगभग 60झ65% नियंत्रण है और अमेरिका अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात करता है। लेकिन हाल में बीजिंग ने ह्लनियंत्रित निर्यातह्व नीति अपनाई है, जिससे अमेरिका को गंभीर रणनीतिक दबाव महसूस हो रहा है। ऐसे में वॉशिंगटन अब वैकल्पिक स्रोत खोजने पर मजबूर है। पाकिस्तान के खनिज, भले अभी साबित नहीं हुए हों, लेकिन यदि वे व्यावसायिक रूप से उपयोगी निकले तो अमेरिका के लिए यह गेम-चेंजर हो सकता है। यहाँ असली सवाल यही है कि पाकिस्तान के इस नए दांव का चीन के साथ उसके पुराने रिश्तों पर क्या असर होगा? हम आपको बता दें कि चीन ने पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी कंपनी को रेयर अर्थ खनन का अधिकार देता है, तो यह चीन के लिए सीधे रणनीतिक झटका होगा। चीन हमेशा से पाकिस्तान का ऑल-वेदर फ्रेंड कहलाता रहा है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी खेमे की ओर झुकता है, तो बीजिंग इसे रणनीतिक अविश्वास की तरह देख सकता है। चीन ने अब तक पाकिस्तान के खनिज संसाधनों में सीधी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी, लेकिन अब उसे डर होगा कि अमेरिका पाकिस्तान को रेयर अर्थ का विकल्प बना सकता है। हालाँकि पाकिस्तान की इस महत्वाकांक्षा के रास्ते में कई बाधाएँ भी हैं। जैसे बलूचिस्तान और खैबर पख़्तूनख़्वा, जहाँ अधिकांश खनिज भंडार बताए जाते हैं, वह इलाके लगातार उग्रवाद और आतंकवाद से ग्रस्त हैं। वहाँ विदेशी निवेश और खनन संचालन आसान नहीं होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान की सत्ता ढांचा अभी भी हाइब्रिड यानी सेना और सरकार की खींचतान में उलझा हुआ है। लंबे समय तक भरोसेमंद नीतियाँ लागू कर पाना कठिन होगा। साथ ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। रेयर अर्थ की खोज और प्रसंस्करण के लिए भारी तकनीकी और पूंजी निवेश चाहिए, जिसे बिना अमेरिकी मदद के अंजाम तक ले जाना मुश्किल होगा। फिर भी यदि अमेरिका पाकिस्तान के खनिजों पर भरोसा करता है, तो चीन का रेयर अर्थ दबाव कमजोर होगा। भारत के लिए भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में नई गर्माहट आएगी, जो क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन को प्रभावित कर सकती है। देखा जाये तो पाकिस्तान इस सौदे से आर्थिक सहारा चाहता है, लेकिन इससे वह चीन और अमेरिका के बीच रणनीतिक रस्साकशी का मैदान भी बन सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पाकिस्तान का रेयर अर्थ कार्ड उसकी विदेश नीति में नया पन्ना खोल सकता है। अमेरिका के लिए यह एक संभावित अवसर है, लेकिन चीन के लिए यह खतरे की घंटी होगी। सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान अपने आंतरिक संकटों और सुरक्षा चुनौतियों से पार पाकर इस अवसर को वास्तविकता में बदल पाएगा? फिलहाल इतना तय है कि इस छोटे से बॉक्स में दिखाए गए रंगीन पत्थरों ने वैश्विक राजनीति के मंच पर बड़ी हलचल पैदा कर दी है। यदि अमेरिका को पाकिस्तान से भरोसेमंद रेयर अर्थ सप्लाई मिल जाती है, तो सचमुच एशिया और विश्व की शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल सकती है और चीन की रेयर अर्थ मोनोपॉली को पहली गंभीर चुनौती मिल सकती है।

कल्पना से परे है भारत में राजनैतिक अस्थिरता

संजीव ठाकुर

नेपाल में पिछले दशकों में राजनीतिक अस्थिरता, दल-बदल, जातीय संघर्ष और आर्थिक असमानताओं ने देश को बार-बार अराजकता की स्थिति में डाल दिया। लगातार बदलती सरकारें और कमजोर प्रशासनिक तंत्र सामाजिक विरोध और आर्थिक अस्थिरता को जन्म देते रहे। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विरोध, हिंसा और सार्वजनिक असंतोष देखने को मिला। कुछ विपक्षी दल तथा विदेशी ताकतें भारत के संदर्भ में यह सवाल उठाती रही है कि क्या हमारी परिस्थितियाँ भी ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकती हैं। ऐसी बात करना कल्पना से परे हैं क्योंकि भारत में एक बेहद मजबूत नेतृत्व पिछले एक दशक से ज्यादा समय से पूरी साक्षमता के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा भारत सामरिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त शक्तिशाली एवं मजबूत राष्ट्र है। भारत में राजनीतिक स्थिरता का आधार मजबूत संवैधानिक और संस्थागत ढांचा है। भारतीय संविधान नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के साथ-साथ सत्ता के संतुलन और शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के माध्यम से राजनीतिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखता है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता नियमित और निष्पक्ष चुनावों को सुनिश्चित करती है, जबकि न्यायपालिका कानून के पालन और असंतोष की निगरानी के लिए एक स्थिर तंत्र प्रदान करती है। इन संस्थाओं की मजबूती के कारण भारत में सरकारों की अस्थिरता लंबे समय तक नहीं टिकती। सामाजिक और आर्थिक विविधता भारत में अत्यधिक है। भाषाई, जातीय, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताएँ कभी-कभी छोटे-मोटे राज्य स्तरीय तनाव का कारण बन सकती हैं। उदाहरण स्वरूप, किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध और क्षेत्रीय आंदोलन यह दिखाते हैं कि असंतोष हमेशा मौजूद रहता है किंतु उसके समाधान तथा सुधारने के लिए मजबूत शासन तंत्र भारत के पास मौजूद है तो यह कोई बड़ी चिंता का विषय नहीं है और भारत का संघीय ढांचा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया इन संघर्षों को नियंत्रित करती हैं। संवैधानिक अधिकार और राज्यों तथा केंद्र के बीच संतुलन व्यापक स्थिरता बनाए रखते हैं। आर्थिक असमानता और बेरोजगारी विरोध उत्पन्न कर सकती हैं, लेकिन ये आम तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के भीतर ही सीमित रहते हैं और व्यापक अराजकता का रूप नहीं लेते। अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और भू-राजनीति भी किसी देश की स्थिरता पर असर डाल सकते हैं। नेपाल की अराजकता में पड़ोसी देशों का प्रभाव रहा, लेकिन भारत, एक बड़ा और सशक्त देश होने के नाते, अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और मजबूत सुरक्षा तंत्र के कारण विदेशी हस्तक्षेप से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। भारत की सैन्य क्षमता, आंतरिक सुरक्षा तंत्र और कूटनीतिक भूमिका देश की स्थिरता बनाए रखने में निर्णायक हैं।आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भारत की स्थिति भी नेपाल से भिन्न है। भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ और समृद्धि के प्रयास असंतोष को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। मीडिया, नागरिक समाज और संस्थागत निगरानी तंत्र लोकतंत्र में पारदर्शिता बनाए रखते हैं। इन सभी कारकों के कारण भारत व्यापक रूप से स्थिर बना रहता है और नेपाल जैसी राजनीतिक अराजकता से बचा रहता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत में नेपाल जैसी अराजकता की संभावना बहुत कम है। मजबूत संवैधानिक ढांचा, स्वतंत्र संस्थाएँ, लोकतांत्रिक प्रक्रिया, संघीय संतुलन और आर्थिक-सामाजिक तंत्र इसे सुरक्षित रखते हैं। हालांकि लोकतंत्र में असंतोष, सामाजिक संघर्ष और आर्थिक दबाव हमेशा संभावित जोखिम बन सकते हैं, पर भारत की स्थिरता का रहस्य यही है कि इन चुनौतियों का प्रबंधन संस्थागत ढांचे और संवैधानिक उपायों के माध्यम से किया जाता है। भारत में 1947 से अब तक 26 सामान्य चुनाव बिना किसी राष्ट्रीय अस्थिरता के संपन्न हुए हैं। भारत की जीडीपी 2024 में लगभग 4.5 ट्रिलियन न्क तक पहुँच चुकी है। बड़े आर्थिक ढांचे से असंतोष सीमित रहता है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ, 2000. जातियाँ और 7 प्रमुख धर्म हैं। इसका प्रबंधन संघीय और संवैधानिक ढांचे के माध्यम से होता है भारत के 1.4 मिलियन से अधिक सैनिक और व्यापक पुलिस तंत्र स्थिरता बनाए रखते हैं। ऐसी मजबूत स्थिति में भारत में नेपाल जैसी अस्थिरता की कल्पना करना समय जाया करना ही होगा। ऐसे में राजनीतिक अस्थिरता की बात लगभग असंभव बात हैं।

बदला हुआ भारत: क्रिकेट और आत्मसम्मान का नया अध्याय

डॉ. प्रियंका सौरभ

एशिया कप 2025 का अंतिम मुकाबला केवल क्रिकेट का रोमांचक खेल नहीं था। यह खेल से कहीं अधिक एक कूटनीतिक और सांस्कृतिक संदेश बनकर उभरा। भारत ने पाकिस्तान को न सिर्फ मैदान पर हराया बल्कि मैच के बाद की औपचारिकताओं में भी ऐसा रुखघ अपनाया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष, जो पाकिस्तान से हैं, से ट्रॉफी स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। परिणाम यह हुआ कि पुरस्कार वितरण समारोह घंटों तक खिंचता रहा और अंततः अधूरा रह गया। यह घटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। सवाल केवल इतना नहीं है कि ट्रॉफी किसने थामी, बल्कि यह कि भारत ने यह कदम क्यों उठाया और इसके परिणाम क्या हैं। क्रिकेट को अक्सर ष्जेंटलमैन का खेलष कहा जाता है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में यह खेल कभी केवल खेल नहीं रहा। यह दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव, सांस्कृतिक टकराव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन चुका है। जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेने से इनकार किया, तो यह स्पष्ट संदेश था कि मैदान की जीत से आगे बढ़कर भारत अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि मानता है। एक तरह से यह ह्लखेल और कूटनीति का उल्टा रूपह्व था। जहाँ खेल को आमतौर पर राजनीति को नरम करने का साधन माना जाता है, वहीं भारत ने खेल का मंच उपयोग करके राजनीतिक संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

बार-बार यह दावा किया गया है कि भारत अब झुकता नहीं, बल्कि अपनी शर्तें तय करता है। इस संदर्भ में टीम इंडिया का रुखघ उसी मानसिकता का विस्तार माना जा रहा है। भारत के लिए ट्रॉफी लेना केवल एक औपचारिकता था, लेकिन जब देने वाला वही देश हो जिससे लगातार आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर तनाव चलता रहा है, तो उस औपचारिकता का महत्व बदल जाता है। यह नया भारत केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति की भाषा में नहीं बोलता, बल्कि खेल के मंच पर भी राजनीतिक संदेश देने में पीछे नहीं है। इसके साथ ही घरेलू राजनीति में भी इस घटना का गहरा असर पड़ा। समर्थक वर्ग इसे मोदी युग का साहसिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे खेल भावना पर चोट मानता है। हालांकि जनता में इसे व्यापक रूप से आत्मगौरव की जीत के रूप में देखा गया। हर साहसिक कदम के साथ आलोचना भी जुड़ती है। भारत के इस रुखघ को लेकर कई सवाल उठे। आलोचकों का कहना है कि क्रिकेट का मूल उद्देश्य देशों के बीच दोस्ती और सौहार्द बढ़ाना है। जब आप ट्रॉफी लेने से इनकार करते हैं, तो आप खेल की आत्मा पर चोट करते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना पर मिला-जुला रुखघ अपनाया। कुछ ने इसे भारत की ह्लदबदबा दिखाने की नीतिह्व कहा, तो कुछ ने इसे ह्लअहंकारह्व बताया। सवाल यह है कि क्या इससे भारत की ह्लनरम शक्तिह्व को नुकसान होगा। साथ ही यह भी बहस छिड़ी कि क्या खिलाड़ियों ने यह कदम अपनी इच्छा से उठाया या बोर्ड और सरकार के दबाव में? अगर खिलाड़ी राजनीतिक निर्णयों में केवल मोहरे बन जाएँ, तो उनकी स्वतंत्रता और खेल की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट में विवाद कोई नई बात नहीं है। 1987 में जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति जयपुर टेस्ट देखने आए थे, तब इसे ह्लक्रिकेट कूटनीतिह्व कहा गया। 1999 में कारगिल युद्ध से पहले चेन्नई टेस्ट में पाकिस्तान की जीत और उसके बाद की राजनीतिक हलचल को भी आज तक याद किया जाता है। 2008 में मुंबई हमलों के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला हमेशा के लिए रोक दी। 2023 में एशिया कप को लेकर स्थान विवाद खड़ा हुआ, जहाँ भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और अंततः प्रतियोगिता ह्लसंयुक्त रूपह्व में आयोजित हुई। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में देखें तो 2025 की घटना कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि उसी लंबे सिलसिले का हिस्सा है जहाँ क्रिकेट हमेशा राजनीति के साए में खेला गया। इस घटना के दूरगामी परिणाम भी हो सकते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद का मुख्यालय भले ही दुबई में है, लेकिन पाकिस्तान लंबे समय से इसमें प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसकी सहमति के बिना कोई ढांचा नहीं चल सकता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तटस्थता का दावा करती है, लेकिन अगर बड़ी टीमों में से एक यानी भारत इस तरह के कदम उठाकर राजनीतिक संदेश देती है।

गिरफ्तारी पर सवाल

हाल ही में लेह में हिंसा का घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी तो है लेकिन अराजक होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन सत्ताधीशों को प्रतिरोध व बेचौनी के निहितार्थों को संवेदनशील ढंग से समझना चाहिए। लद्दाख में जनाक्रोश के कारण समझे जाने चाहिए। कहीं न कहीं लोगों को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद की आकांक्षाएं फलीभूत होती नजर नहीं आयी। उन्हें लगा कि उनकी भूमि व संसाधन बाहरी दबाव में आ सकते हैं। यही डर है जिसकी वजह से लोग संवैधानिक सुरक्षा की मांग छठी अनुसूची के रूप में करते रहे हैं। पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लगातार चेताते भी रहे हैं कि अस्मिता की अनदेखी असंतोष को गहरा सकती है। इसको लेकर केंद्र से वांगचुक की अगुवाई में कई दौर की बातचीत भी हुई। कहीं न कहीं अगस्त 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किए वायदों को लेकर छह साल बाद लोगों का सब्र जवाब देने लगा। वांगचुक इस मुद्दे पर लंबे समय से आंदोलन करते रहे हैं। बीते साल मार्च में वह 21 दिनों के अनशन पर बैठे थे। दिल्ली पदयात्रा के दौरान भी उन्होंने अनशन किया था। उनका आंदोलन अहिंसक ही रहा है। केंद्र से कई मुद्दों पर मतैक्य न होने के बावजूद वे बातचीत के हामी रहे हैं। लेकिन

हालिया हिंसा के बाद उनकी गिरफ्तारी को लेकर देश में विपक्षी दलों व जन आंदोलनों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाये हैं। उनका मानना है कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं पर संवेदनशील ढंग से विचार हो। दरअसल, वांगचुक और लद्दाख के लोगों की चिंता रही है कि यदि शासन में उनकी भागीदारी न रही तो लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों का गलत तरीके से उपयोग हो सकता है। दरअसल, वांगचुक उस छठी अनुसूची के क्रियान्वयन की मांग करते रहे हैं, जिसमें स्वशासन व स्वायत्तता निहित है। पूर्वोत्तर के कई जनजातीय बहुल राज्यों को इसके अंतर्गत संरक्षण मिला हुआ है। सर्वविदित है कि वांगचुक रचनात्मक, सामाजिक अभियानों व पर्यावरण अभियानों से जुड़े रहे हैं। उनके कृत्रिम ग्लेशियर बनाने के प्रयासों की पूरी दुनिया में चर्चा हुई है। उनके कार्यों की लोकप्रियता का आलम ये रहा है कि उनके रचनात्मक विचारों व शिक्षा पद्धति पर आधारित फिल्म थ्री इडियट देश में हिट रही। निश्चित ही सख्त धाराओं में उनकी गिरफ्तारी का देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि उनके आंदोलन व जनाक्रोश का लाभ सियासी रस्साकशी में लगे लोगों ने उठाया हो। वक्त की जरूरत है कि आंदोलन में शामिल संगठनों को बातचीत की मेज पर लाया जाए। जिससे कारगिल की अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को संबोधित किया जा सके। लोकतंत्र में मांगों के समर्थन में जनआंदोलन उसकी खूबसूरती भी है। जिसको लेकर सत्ताधीशों को उदारता अपनानी चाहिए। हमारा स्वतंत्रता संग्राम ऐसे आंदोलनों से ही सशक्त हुआ था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि लद्दाख महज एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, पाक-चीन सीमा से सटा यह इलाका सामरिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भी संवेदनशील है। यह बात दिल्ली तक सुनी जानी चाहिए।

अदाणी समूह के मुखिया बेटे जीत संग पहुंचे जुबिन गर्ग के घर, परिजनों से मिल दी दिवंगत गायक को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अधिकारी ने बताया कि अदाणी और उनके बेटे ने यहां काहिलीपारा इलाके में गर्ग के आवास पर लगभग आधा घंटा बिताया और उनकी पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग से मुलाकात की। आइए इस बारे में और विस्तार से जानें। अदाणी समूह के प्रमुख और उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके बेटे जीत अदाणी ने रविवार को असम के गुवाहाटी में दिवंगत गायक-संगीतकार जुबीन गर्ग के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुलाकात के बाद शुक्रवार को सोमवार को गौतम अदाणी ने एक्स पर लिखा, कल, गुवाहाटी में, मैं जुबीन गर्ग के परिवार से मिला, जो एक सच्चे दिग्गज थे। इनका संगीत पूर्वोत्तर की धड़कन बन गया और जिनका लोगों के प्रति प्रेम पीढ़ियों तक हमेशा गूंजता रहेगा। उनका संगीत और उनकी यादें लाखों लोगों को प्रेरित करती रहें, और उनकी पवित्र आत्मा को शांति मिले।

'बालिका वधू' की लाडो के मेहंदी रचाने अमेरिकी से आई ये आर्टिस्ट

लिखा- 'प्राउड मूमेंट'

एक्ट्रेस अविका गौर की शादी से पहले के कार्यक्रम चल रहे हैं। कल मंगलवार 30 सितंबर को वे मिलिंद चांदवानी के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी। अविका के हाथों पर मिलिंद के नाम की मेहंदी रचाने के लिए नामी आर्टिस्ट खासतौर से अमेरिका से आई हैं। सीरियल 'बालिका वधू' फेम अविका गौर अब रियल लाइफ में दुल्हन बनने वाली हैं। वे अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ शादी रचा रही हैं। 30 सितंबर को इनकी शादी है

और प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू हो चुके हैं। अविका रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में शादी कर रही हैं। एक्ट्रेस की हल्दी, संगीत और मेहंदी सेरेमनी भी इस शो के दौरान हुईं। दिलचस्प बात यह है कि नामी सेलिब्रिटी आर्टिस्ट ने अविका के हाथों पर शादी की मेहंदी रचाई है और इसके लिए वे खासतौर से अमेरिका से आईं। मेहंदी आर्टिस्ट ने पोस्ट शेयर कर जताई खुशी एक्ट्रेस अविका गौर के हाथों पर मेहंदी आर्टिस्ट वीना नागडा ने लगाई है। वीना सेलिब्रिटी मेहंदी आर्टिस्ट हैं। उन्होंने ही दीपिका पादुकोण के शादी की मेहंदी रचाई थी। इसके अलावा अंबानी परिवार की शादी के फंक्शन में भी वीना ने ही मेहंदी लगाई। अब अविका की शादी में मेहंदी लगाने वे खासतौर से अमेरिका से आईं। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी शेयर की है। वीना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, 'आज मैंने 'बालिका वधू' की लाडो अविका गौर को मेहंदी लगाई। मेरे जीवन का प्राउड मूमेंट था'। अविका की मेहंदी पर लिखा है ससुराल वालों का नाम वीना ने आगे लिखा है, 'मैं अविका की मेहंदी के लिए खासतौर पर अमेरिका से आई हूं। भारतीय टेलीविजन शो 'पति पत्नी और पंगा' में पहली बड़ी और रियल शादी हो रही है। भगवान का शुक्र है। कलर्स टीवी और 'पति पत्नी और पंगा' शो का आभार है। कहा जा रहा है कि अविका गौर ने अपनी मेहंदी में न सिर्फ अपने होने वाले पति मिलिंद का नाम लिखवाया है, बल्कि अपने होने वाले सास-ससुर का नाम भी लिखवाया है।

महायोद्धा राम का धमाकेदार टीजर आउट, दीवाली पर रिलीज होगी फिल्म

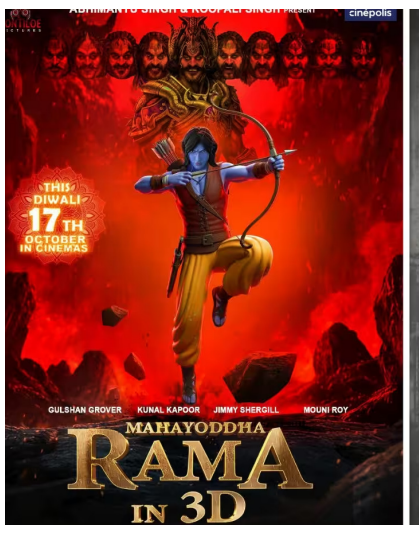

कॉन्टिलो पिक्चर्स और इल्युजन रीऐलिटी स्टूडिओज के बैनर तले बनी 3 डी एनिमेशन फिल्म महायोद्धा राम का जबरदस्त टीजर दशहरा से पहले ही फिल्म मेकर्स के द्वारा रिलीज कर दिया गया है। पौराणिक कथा रामायण और भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित इस फिल्म को दीवाली के समय 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस 3डी एनिमेशन फिल्म का कुल 1 मिनट का टीजर काफी अट्रैक्टिव और दमदार है। टीजर की शुरूआत लंकापति रावण और उसके साम्राज्य के एक सीन से होती है जिसमें रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान पूछते हैं ष्बता राक्षस तुझे क्या चाहिए? और इसके उत्तर में रावण अट्टहास करते हुए कहता है सब चाहिए, टीजर की शुरूआत में ही यह दमदार डायलॉग, फिल्म देखने की उत्सुकता बढ़ाने वाला है। 3 डी एनिमेशन फिल्म श्महायोद्धा रामश में बॉलीवुड के नामचीन और मंझे हुए कलाकारों ने फिल्म के ऐनमेटेड कैरेक्टर्स को अपनी आवाज देकर जीवंत कर दिया है। अभिनेता कुणाल कपूर ने श्री राम के किरदार को, जिम्मी शेरगिल लक्ष्मण को और मौनी रॉय ने माता सीता के कैरेक्टर को अपनी आवाज से सजाया है तो वहीं दमदार अभिनेता मुकेश ऋषि, हनुमान जी को, अपनी विलेन रोल्स के लिए प्रसिद्ध ऐक्टर गुलशन ग्रोवर रावण को और अपनी अद्भुत आवाज के लिए जाने जाने वाले वेटरन ऐक्टर रजा मुराद महर्षि विश्वामित्र को अपनी अनोखी आवाज देंगे। इसके अलावा अन्य सभी महत्वपूर्ण कैरेक्टर्स को बॉलीवुड के एक से बढ़कर एक दिग्गज कलाकारों ने अपनी आवाज से सजाया है जो दर्शकों के फिल्म देखने का मजा डबल कर देगा। कॉन्टिलो पिक्चर्स के संस्थापक और सीईओ और इस फिल्म के प्रोड्यूसर अभिमन्यु सिंह ने कहा प्रभु श्री राम को हम मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में जानते हैं लेकिन वह एक महान योद्धा भी थे और इस फिल्म के जरिए हमने उनके महायोद्धा रूप को दर्शाने का प्रयास किया है जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा।

बिग बॉस 19: अवेज दरबार के एविक्शन पर भड़के एल्विश यादव, कहा-ये बिल्कुल सही फैसला नहीं था

सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 में इन दिनों जबरदस्त ड्रामा और उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हुए वीकेंड का वार एपिसोड में शो के कंटेस्टेंट और मशहूर सोशल मीडिया स्टार अवेज दरबार को घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। अवेज के एविक्शन से जहां घर के बाकी सदस्य हैरान रह गए, वहीं बाहर बैठे उनके चाहने वालों को भी यह खबर बड़ा झटका दे गई। अवेज दरबार के एविक्शन पर बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव ने भी अपनी राय रखी है। बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव ने अवेज दरबार के एविक्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अवेज को शो से बाहर किए जाने को अनफेयर बताया। वीडियो में एल्विश ने कहा- अभी-अभी इवेंट खत्म हुआ और मुझे पता चला कि अवेज भाई घर से बाहर हो गए हैं। उस दिन गौहर भी घर में आई थीं, उन्होंने अवेज को गाइड किया था कि उन्हें कहां सुधार करना है और कहां ज्यादा नजर आना है। लेकिन उसी दिन उन्हें बाहर कर देना बिल्कुल सही फैसला नहीं था। वो अच्छा खेल रहा था और उसे शो में आगे तक रहना चाहिए था। एल्विश का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो गया। अवेज के फैंस भी एल्विश की इस बात से सहमत नजर आए। अवेज की फैन फॉलोइंग करीब 30 मिलियन है, इसके बावजूद उनका शो से बाहर होना फैंस के लिए समझ से परे है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतनी बड़ी फैन बेस के बावजूद अवेज को पर्याप्त वोट क्यों नहीं मिल पाए। अवेज से पहले बिग बॉस 19 के घर से नगमा मिराजकर और नतालिया जानोसजेक भी बाहर हो चुकी हैं। लगातार एविक्शन से दर्शकों में शो को लेकर और ज्यादा उत्सुकता बढ़ गई है। अवेज दरबार के बाहर होने के बाद अब बिग बॉस 19 के घर में कुल 14 कंटेस्टेंट्स बचे हैं। इनमें शामिल हैंरूअभिषेक बजाज, फरहाना भट्ट, गौरव खन्ना, नेहल चुडासमा, जीशान कुरैशी, अमाल मलिक, अशनूर कौर, बसीर अली, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल, नीलम गिरी, कुनिका सदानंद, शहबाज बदेशा और मृदुल तिवारी। शो में अब जैसे-जैसे कंटेस्टेंट्स की संख्या घटती जा रही है, वैसे-वैसे मुकाबला और भी दिलचस्प होता जा रहा है।

निक-प्रियंका की फैमिली फोटोज पर फैंस ने लुटाया प्यार, मालती के चुलबुले अंदाज ने जीता सबका दिल

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपने फैंस को अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर सितंबर महीने से जुड़ी कुछ खास तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए। इन तस्वीरों में प्रियंका अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी संग क्वालिटी टाइम बिताती नजर आ रही हैं'। प्रियंका के इस पोस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाला फोटो उनकी बेटी मालती मैरी का रहा, जिसमें नन्हीं मालती डांस करती दिखाई दीं। उनके क्यूट डांस मूव्स और मासूम अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर लोग उनकी प्यारी अदाओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस एलबम में प्रियंका अपनी दोस्त और एक्ट्रेस दीया मिर्जा के साथ भी नजर आईं। वहीं एक और फोटो में प्रियंका चोपड़ा एक्टर ईशान खट्टर के साथ पोज देती हुई दिखाई दीं। पोस्ट की कुछ तस्वीरों में प्रियंका और निक अपनी बेटी मालती के साथ दिखाई दिए। एक फोटो में मालती अपने पापा निक और ताऊ के साथ मस्ती करती नजर

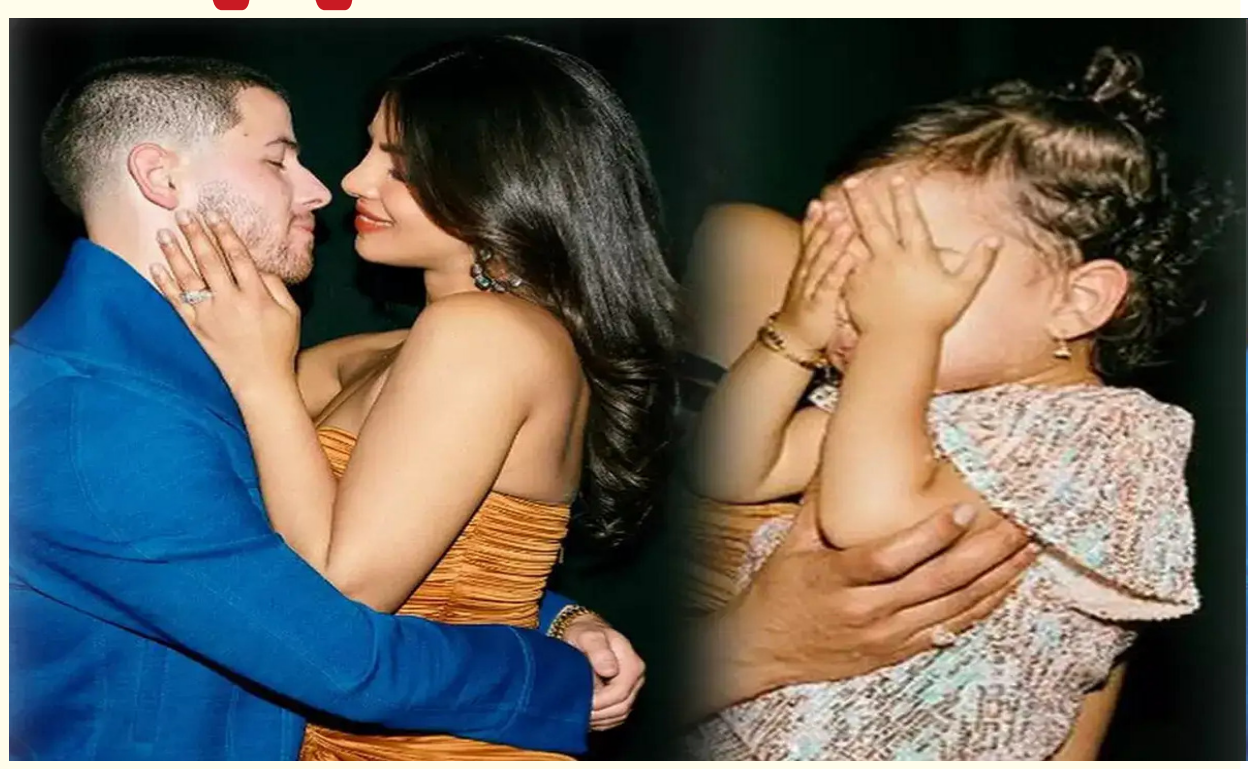

आईं। इतना ही नहीं, इन तस्वीरों में प्रियंका और निक की रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिली। एक फोटो में निक, प्रियंका को माथे पर किस करते दिखाई दिए। इस प्यारे मोमेंट ने फैंस का दिल जीत लिया। वहीं कुछ तस्वीरों में मालती पेड़ से फल तोड़ती नजर आईं, जो उनके छोटे-छोटे एडवेंचर्स की झलक दिखाता है। पोस्ट शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा सितंबर में न्यूयॉर्क में उन लोगों के साथ पल बिताए जिनसे मैं प्यार करती हूं। ये वाकई जादुई था। फैंस एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं। खासकर मालती के डांस वीडियो पर सोशल मीडिया पर खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। काम की बात करें तो प्रियंका को हाल ही में हॉलीवुड फिल्म ष्हेड्स ऑफ स्टेट में देखा गया है। इसके अलावा, वह एस.एस. राजामौली की अपकमिंग फिल्म एसएसएमबी 29 का हिस्सा हैं। साथ ही प्रियंका अपनी पॉपुलर वेब सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में भी व्यस्त हैं।

थामा का गाना तुम मेरे ना हुए रिलीज, रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की केमिस्ट्री ने मचाया धमाल

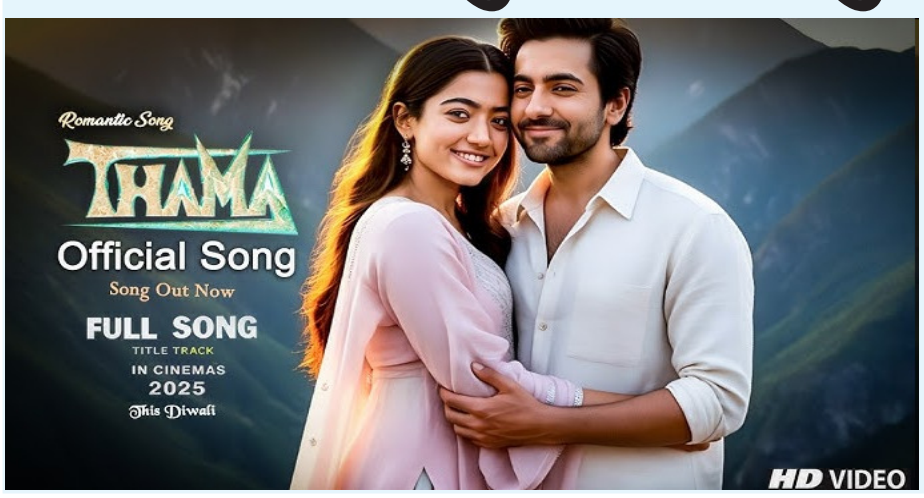

मड्डॉक फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा ने जहां अपने ट्रेलर से दर्शकों को चौंका दिया, वहीं अब इसका पहला गाना तुम मेरे ना हुए, ना सही रिलीज कर दिया गया है। ये गाना न सिर्फ दिल को छूने वाला है बल्कि दिल तोड़ने वालों का एंथम भी बन चुका है। इस इमोशनल और इंटेंस ट्रैक को गाया है मधुबंती बागची और सचिन-जिगर ने, वहीं इसका म्यूजिक भी सुपरहिट म्यूजिक डायरेक्टर जोड़ी सचिन-जिगर ने ही तैयार किया है। बोल लिखे हैं मशहूर गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने। इस गाने में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की केमिस्ट्री एक अलग ही स्तर पर दिखाई देती है। रश्मिका एक कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं, जो हर उस लड़की की आवाज बन गई हैं जो ब्रेकअप के बाद खुद को समेटती है। वहीं, आयुष्मान के साथ उनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर आग लगा रही है। गाने की कोरियोग्राफी में जहां इंटेंस इमोशन है, वहीं इसके डांस मूव्स भी दर्शकों को बांधे रखते हैं। यह गाना इमोशन, डांस, और म्यूजिक का एक परफेक्ट ब्लेंड है। मधुबंती बागची, जिन्होंने स्त्री 2 के हिट ट्रैक आज की रात से धमाकेदार डेब्यू किया था, इस गाने से एक बार फिर दर्शकों के दिलों पर छा गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा- तुम मेरे ना हुए, ना सही मेरे लिए खास है क्योंकि यह मुझे उस टीम के साथ फिर से जोड़ता है जिसने मुझे मेरा पहला बड़ा बॉलीवुड ब्रेक दिया था। थम्मा इस यूनिवर्स को नई ऊर्जा देता है और यह कंपोजिशन वाकई में शानदार है। सचिन-जिगर और अमिताभ सर के साथ काम करना एक म्यूजिकल ट्रीट है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को दिल से जुड़ेगा। गाने को लेकर उत्साहित सचिन-जिगर ने कहा- थामा के लिए कंपोज करना क्रिएटिव रूप से चुनौतीपूर्ण तो है, लेकिन साथ ही घर जैसा भी लगता है, क्योंकि हम शुरूआत से इस हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा रहे हैं। तुम मेरे ना हुए एक संपूर्ण गाना है द यह एक लव सॉन्ग है, डांस नंबर है, और साथ ही इमोशनल भी। मधुबंती की आवाज, अमिताभ के बोल और स्क्रीन पर जो विजुअल्स हैं, वह इस गाने को वाकई खास बनाते हैं।रश्मिका मंदाना, जो इस गाने में एक अलग ही अंदाज में दिख रही हैं, कहती हैंरू यह मेरी सबसे मजेदार शूट की गई गानों में से एक है। म्यूजिक, बीट्स, सेट द सबकुछ दिल से बना है। उम्मीद है आप सबको यह उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इसे शूट करके आया। आयुष्मान खुराना, जो पहली बार इस हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बने हैं, कहते हैं रश्मिका के साथ इस ट्रैक पर डांस करना बहुत मजेदार रहा। वह शानदार डांसर हैं एक्सप्रेसिव और इफर्टलेस। इस गाने में उनकी एनर्जी और ग्रेस इसे एक अलग ही लेवल पर ले जाती है।

1.02 लाख करोड़ का निवेश करेंगी 26 कंपनियां; पैदा होंगी 10 लाख से ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार के साथ समझौतों के तहत 26 देसी और विदेशी कंपनियां देश के विभिन्न राज्यों में निवेश करेंगी।?इनमें गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित कई राज्य शामिल हैं। देश और विदेश की 26 कंपनियों ने घरेलू खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 1.02 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए समझौता किया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओर से 25 से 28 सितंबर तक आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया शिखर सम्मेलन के दौरान ये समझौते हुए।? मंत्रालय ने रविवार को कहा, वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 शिखर सम्मेलन अभूतपूर्व पैमाने पर निवेश प्रतिबद्धताओं के साथ संपन्न हुआ। कंपनियों ने कुल 1,02,046.89 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। यह भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सबसे बड़ी निवेश घोषणाओं में से एक है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने देशभर में एकीकृत खाद्य विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए 40,000 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

पाकिस्तानी पीएम शरीफ और सेना प्रमुख ने ट्रंप को भेंट किए थे दुर्लभ खनिज

मुलाकात की नई तस्वीर आई सामने

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात की नई तस्वीर सामने आई है। मुलाकात के दौरान शरीफ और मुनीर ने ट्रंप को दुर्लभ मृदा खनिज भेंट किए थे। तस्वीर में मुनीर खनिजों की ओर इशारा करते दिखे, जबकि ट्रंप ध्यान से देखते नजर आए। पीएम शरीफ इस मौके पर खड़े होकर मुस्कुरा रहे थे। यह मुलाकात बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओवल ऑफिस में हुई थी, जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद पीएम शरीफ ने ट्रंप को 'शांति दूत' बताया और उनके 'दुनिया में संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों' की सराहना की। उन्होंने जुलाई में हुए अमेरिका-पाकिस्तान टैरिफ समझौते के लिए भी धन्यवाद दिया। इस समझौते के तहत पाकिस्तानी आयात पर 19 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा और इससे अमेरिका पाकिस्तान के तेल भंडार के विकास में मदद कर सकेगा। अमेरिकी कंपनियों को निवेश के लिए किया आमंत्रित पीएम शरीफ ने उम्मीद जताई कि ट्रंप के नेतृत्व में पाकिस्तान-अमेरिका साझेदारी 'दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए और

मजबूत होगी।' साथ ही उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को पाकिस्तान के कृषि, आईटी, खनन और ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करने के लिए भी आमंत्रित किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब कई वर्षों के तनावपूर्ण संबंधों के बाद द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पाकिस्तान ने अमेरिकी और पुर्तगाली कंपनी के साथ किया समझौता पाकिस्तान की सबसे बड़ी खनन कंपनी फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन ने इस महीने मिसौरी स्थित अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स के साथ समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान में एक पॉली-मेटैलिक रिफाइनरी लगाने की योजना है। इसके अलावा पाकिस्तान की नेशनल लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन ने पुर्तगाल की इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी मोटा-एंगिल ग्रुप के साथ भी करार किया है। पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, साझेदारी की शुरूआत तुरंत होगी और तांबा, सोना, टंगस्टन, एंटीमोनी और दुर्लभ मृदा तत्व का निर्यात शुरू किया जाएगा। पाकिस्तान में खरबों डॉलर के खनिज भंडार का दावा पीएम शरीफ ने इस साल दावा किया था कि पाकिस्तान में खरबों डॉलर मूल्य के खनिज भंडार मौजूद हैं। उनका कहना है कि अगर इस क्षेत्र में विदेशी निवेश हुआ तो देश आर्थिक संकट से उबर सकता है और विदेशी कर्जों पर निर्भरता घटाई जा सकती है। हालांकि, ज्यादातर खनिज भंडार बलूचिस्तान में हैं, जहां स्थानीय विद्रोही लंबे समय से विदेशी और पाकिस्तानी कंपनियों द्वारा खनन का विरोध कर रहे हैं।

आतंकी संगठन आईएसआईएस की विचारधारा को बढ़ावा देने के दोषी पाए गए युवक, अदालत ने सुनाई आठ-आठ साल की सजा

कोयंबटूर (एजेंसी)। पुलिस को सूचना मिली थी कि अजहरुद्दीन और उसका साथी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं। इनका उद्देश्य दक्षिण भारत, खासकर केरल और तमिलनाडु में आतंकवादी हमले करने के लिए युवाओं की भर्ती करना था। एनआईए की एक अदालत ने खूंखार आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की विचारधारा को बढ़ावा देने के दोषी युवकों को आठ-आठ साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पाए गए दोनों युवक तमिलनाडु के कोयंबटूर के निवासी हैं।

दोषियों पर आतंकी संगठन के लिए लोगों की भर्ती करने और आतंकी संगठन का प्रचार करने के भी आरोप हैं। इन धाराओं में सुनाई गई सजा एनआईए मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने तमिलनाडु के कोयंबटूर के उक्कदम स्थित अंबु नगर निवासी मुहम्मद अजहरुद्दीन (27) और दक्षिण उक्कदम निवासी शेख हिदायतुल्ला उर्फ फिरोज खान (35) को दोषी ठहराया। उन्हें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (षड्यंत्र रचने), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 38 (आतंकवादी संगठन की सदस्यता) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दंडनीय अपराधों का दोषी पाया गया। अदालत ने इन सभी अपराधों में प्रत्येक में आठ-आठ साल कैद की सजा सुनाई। हालांकि, सभी सजा साथ-साथ चलेंगी।

'राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं'

पूर्व PM केपी शर्मा ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन 'युवा संघ नेपाल' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि

उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास 'बलुवातार' खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूछा, सोशल मीडिया पर खुलेआम मेरे घर पर हमले की बातें हो रही हैं। सरकार क्या कर रही है? केवल देख रही है? उन्होंने उन रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई, जिनमें कहा जा रहा है कि सकार उनके साथ ही नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खडका के पासपोर्ट जब्त करने का फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाकर देश को असुरक्षा की स्थिति में धकेल रही है। जेन-जेड के विरोध के दूसरे दिन ही ओली की सरकार गिर गई थी। मानवाधिकार संगठनों ने ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेख को विरोध के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने का जिम्मेदार ठहराया है, जिससे दर्जों लोगों की मौत हुई थी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार प्रदर्शन की तीव्रता का अनुमान नहीं लगा सकी और सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा हुआ है। जिसके कारण भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति हुई।

न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस से हटे मौजूदा मेयर एरिक एडम्स, जोहरान ममदानी के चुनावी अभियान पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स चुनावी रेस से हट गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर एरिक एडम्स ने अपना नाम वापस लेने का एलान किया। एरिक एडम्स ने जनवरी 2022 से न्यूयॉर्क मेयर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वीडियो में एरिक एडम्स ने न्यूयॉर्क वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका मेयर होना मेरे लिए गर्व की बात रही। एरिक एडम्स की लोकप्रियता में आ रही थी लगातार गिरावट एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने की चचाएं कई महीनों से चल रहीं थी। इसकी वजह एरिक एडम्स की लगातार गिरती लोकप्रियता थी। विभिन्न पोल्स में दिखाया गया कि एरिक एडम्स अन्य उम्मीदवारों से पिछड़े हुए थे और साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भी उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। एरिक एडम्स को ट्रंप प्रशासन से

नजदीकियों के चलते भी डेमोक्रेट समर्थकों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था। बीते दिनों ऐसी खबरें भी आईं थी कि ट्रंप सरकार एरिक एडम्स को सऊदी अरब में अमेरिका का राजदूत नियुक्त कर सकती है। हालांकि उस वक्त एरिक एडम्स ने उन चचाओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि वह न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर काम करने के लिए समर्पित हैं। साल 2025 की शुरूआत में ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग ने एरिक एडम्स के खिलाफ भ्रष्टाचार के संघीय आरोपों को भी खत्म कर दिया था। एरिक एडम्स पर आरोप लगे थे कि उन्होंने विदेशी दानदाताओं से गलत तरीके से उपहार स्वीकार किए। एरिक एडम्स को तुर्किये की सरकार की तरफ से भी उपहार मिले थे। जोहरान ममदानी के चुनाव अभियान पर होगा असर एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने के बाद भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों अपने एक बयान में सुझाव दिया था कि अगर जोहरान ममदानी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच सीधी टक्कर होती है तो उसमें कुओमो के जीतने की संभावना ज्यादा है। ट्रंप ने कहा था कि कई उम्मीदवारों के होने से ममदानी को फायदा मिलेगा।

अब ओरेगन में नेशनल गार्ड की तैनाती कर रहा ट्रंप प्रशासन, राज्य के नेताओं के विरोध के बावजूद उठाया कदम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ओरेगन राज्य में नेशनल गार्ड के 200 सदस्यों की तैनाती कर रहा है। उन्हें आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों और सरकारी भवनों की सुरक्षा में तैनात किया जा रहा है। रविवार को राज्य के नेताओं को रक्षा मंत्रालय की ओर से सूचना ज्ञापन मिले, जिनमें यह जानकारी दी गई। राज्य के नेताओं की आपत्ति के बावजूद ओरेगन नेशनल गार्ड की तैनाती की जा रही है। पिछले साल लॉस एंजिल्स में भी

इसी तरह की तैनाती की गई थी, जब वहां निर्वासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। हालांकि, यह तैनाती उससे काफी छोटी है। व्हाइट हाउस की ओर से इसको लेकर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रक्षा मंत्रालय के कई अधिकारियों से संपर्क किया गया। लेकिन किसी ने भी इन ज्ञापन की सत्यता की पुष्टि या खंडन नहीं किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की थी कि वह पोर्टलैंड (ओरेगन का सबसे बड़ा शहर) में सैनिक भेजेंगे। राज्य की गवर्नर टीना कोटेक ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति से बात कर इस तैनाती का विरोध किया। टीना डेमोक्रेटिक पार्टी से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने कहा, ओरेगन हमारा घर है, कोई सैन्य निशाना नहीं। राज्य के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा कि वह संघीय कोर्ट में मुकदमा दायर करेंगे, जिसमें वह ट्रंप पर अपनी सीमाओं से बाहर जाकर कार्रवाई करने का आरोप लगाएंगे। उन्होंने कहा, जो हम देख रहे हैं, वह सार्वजनिक सुरक्षा के लिए नहीं है। यह राष्ट्रपति की ओर से राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश है, जो कानून-व्यवस्था के नाम पर मीडिया में सुर्खियां पाने के लिए हो रहा है।

नेतन्याहू और ट्रंप की मुलाकात आज, अमेरिकी राष्ट्रपति का ट्वीट- मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस्त्राइल की राजनीतिक की जानकार ईटन गिलबोआ का कहना है कि ट्रंप, नेतन्याहू पर संघर्ष विराम के लिए दबाव डाल सकते हैं, लेकिन अगर नेतन्याहू संघर्ष विराम के लिए राजी होते हैं तो उनकी अपनी गठबंधन सरकार खतरे में आ सकती है। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्त्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मुलाकात होनी है। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में होगी। इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है क्योंकि उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक में गाजा में संघर्ष विराम को लेकर सहमति बन सकती है। खासकर ऐसे समय में जब इस्त्राइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है और कई पश्चिमी देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक से पहले सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है। ट्रंप के इस पोस्ट के बाद उम्मीद की जा रही है कि गाजा में जल्द ही शांति आ सकती है। ट्रंप का ट्वीट- मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है अमेरिका, गाजा युद्ध में इस्त्राइल का कट्टर समर्थक रहा है, लेकिन संघर्ष के लंबा खिंचने और गाजा में इस्त्राइली हमलों के खिलाफ बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव से अमेरिका भी असहज हुआ है। इस्त्राइल में नेतन्याहू की गठबंधन सरकार पर भी दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सोमवार को ओवल ऑफिस में होने वाली ट्रंप और नेतन्याहू की बैठक बेहद अहम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा में संघर्ष विराम के लिए शांति समझौते पर गंभीरता से चर्चा चल रही है। रविवार को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा कि 'मध्य पूर्व में महान बदलाव का हमारे पास असली मौका है। हम सभी पहली बार कुछ खास करने के लिए साथ आए हैं और हम इसे पूरा करके रहेंगे।' नेतन्याहू के लिए अग्निपरीक्षा का समय ट्रंप और नेतन्याहू की ओवल ऑफिस में होने वाली बैठक इस्त्राइली पीएम के लिए अग्निपरीक्षा का समय है। इस्त्राइल की राजनीतिक की जानकार ईटन गिलबोआ का कहना है कि ट्रंप, नेतन्याहू पर संघर्ष विराम के लिए दबाव डाल सकते हैं, लेकिन अगर नेतन्याहू संघर्ष विराम के लिए राजी होते हैं तो उनकी अपनी गठबंधन सरकार खतरे में आ सकती है क्योंकि नेतन्याहू सरकार के कई सहयोगी लड़ाई जारी रखने और हमास के पूर्ण खात्मे की बात कर रहे हैं। ऐसे में अगर नेतन्याहू ने संघर्ष विराम पर सहमति दी को इससे उनकी सरकार के कई सहयोगी नाराज हो सकते हैं। इस्त्राइल द्वारा बीते दिनों कतर में हमास नेताओं के ठिकानों पर किए गए हमले के बाद पश्चिम एशिया के देश इस्त्राइल के खिलाफ लामबंद होने की कोशिश कर रहे हैं। इससे अमेरिका पर भी दबाव बढ़ा है। यही वजह है कि अमेरिका का धैर्य भी अब जवाब दे रहा है। बीते हफ्ते ही ट्रंप ने इस्त्राइल के वेस्ट बैंक पर भी कब्जा करने की मंशा को खारिज कर दिया था और कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसका पुरजोर विरोध करेगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा तैयार किए गए शांति प्रस्ताव में दिए गए हैं ये सुझाव इस्त्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के लिए ट्रंप प्रशासन ने एक समझौता प्रस्ताव तैयार किया है। हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इस समझौते में सभी बंधकों की 48 घंटे में रिहाई और गाजा से चरणबद्ध तरीके से इस्त्राइली सेना की वापसी जैसे प्रावधान हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस समझौता प्रस्ताव को लेकर अरब देशों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की है।

मिशिगन के चर्च में गोलीबारी, चार की मौत, आठ लोग घायल; हमलावर ढेर, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

मिशिगन (एजेंसी)। अमेरिका के मिशिगन स्थित एक चर्च में रविवार को गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। वहीं आठ लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को मार गिराया गया है। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रैंड ब्लैंक्स इलाके में चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (मॉरमोन चर्च) में खौफनाक हमला हुआ। यहां एक हमलावर ने चर्च में टक्कर मारकर ट्रक अंदर घुसा दिया फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हालांकि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। रविवार सुबह करीब 10:25 बजे हुए इस हमले से चर्च परिसर में अफरातफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने बताया कि घटना

की सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और आठ मिनट में हमलावर को मार गिराया। चर्च में गोलीबारी को अंजाम देने वाले हमलावर की पहचान 40 वर्षीय थॉमस जैकब सैंफोर्ड के रूप में हुई है, जो पास के शहर बर्टन का रहने वाला था। उसके पास हथियारों के साथ गैस और संदिग्ध विस्फोटक भी मिले। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने विस्फोटक का इस्तेमाल किया या नहीं। एफबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इतना ही नहीं इस हमले के बाद आसपास के कुछ अन्य चर्चों में भी बम धमकी मिली, हालांकि जांच करने के बाद वहां कुछ नहीं मिला। फिलहाल इलाके में तनाव है।

भारतीय मिशनों ने विभिन्न देशों में 'विकसित भारत दौड़' का आयोजन किया

बड़ी संख्या में जुटे लोग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने भी युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले 'माई भारत' के साथ मिलकर मैरीलैंड में 'विकसित भारत रन 2025' का आयोजन किया। विभिन्न देशों में आयोजित इस कार्यक्रम में सामुदायिक दौड़/पैदल यात्रा के अलावा 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर - 2 अक्टूबर) के तहत 150 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर भारतीय मिशनों द्वारा 'विकसित भारत दौड़' का आयोजन किया जा रहा है। अमेरिका के ह्यूस्टन में भी भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने विकसित भारत दौड़ का आयोजन किया, जिसमें 900 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। ह्यूस्टन के जॉर्ज बुश पार्क में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय-अमेरिकी प्रवासी संगठनों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में परिवारों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने 3-5 किलोमीटर की दौड़ और पदयात्रा में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने तिरंगा लहराया और भारत के विकास लक्ष्यों को दर्शाने वाले बैनर दिखाए। वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने इस आयोजन को 'सेवा की भावना' का प्रतीक बताया और इस बात पर जोर दिया कि यह भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच मजबूत बंधन को दर्शाता है। प्रतिभागियों ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक शारीरिक गतिविधि से कहीं बढ़कर, भारत के भविष्य में हमारी आशा की पुष्टि का प्रतीक था। कई लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन उन्हें विदेश में रहते हुए भी भारत की प्रगति से जुड़े रहने में मदद करते हैं। वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने भी युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले 'माई भारत' के साथ मिलकर मैरीलैंड में 'विकसित भारत रन 2025' का आयोजन किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।